संयम ◆ संस्कार ◆ संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 64
पृष्ठ 8
शुक्रवार
21 नवम्बर 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य- 1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- सुबह खाली पेट लहसुन खा लिया....
विचार- पी के की उलझन भरी राजनीति ...
खेल- राइजिंग एशिया कप सेमीफाइनल ...

दसवीं बार नीतीश कुमार

पटना, एजेंसी। दो दशक में दसवीं बार! श्री नीतीश कुमार ने लोकतंत्र की जननी कहीं जाने वाली भूमि बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में गुरुवार को लगभग दो दशक में दसवीं बार शपथ लेकर देश की राजनीति में एक नया कीर्तिमान बनाया है। ढ़लती उम्र, थकान और स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों के साथ–साथ लंबे समय तक शासन में रहने से लोकप्रियता में कमी की अटकलों को दरकिनार करते हुए हाल में संपन्न विधानसभा चुनाव में श्री कुमार ने राज्य की राजनीति में अपने निरंतर प्रभाव और जनता के भरोसे की एक बार फिर पुष्टि की। लगभग दो दशकों तक सत्ता में रहने के बाद इस चुनाव में वह अपनी सबसे कठिन राजनीतिक परीक्षा का सामना कर रहे थे। जातीय खानाजंगी और राजनीति के अपराधीकरण के लिए अक्सर चर्चा में रहने वाले बिहार प्रांत में 'सुशासन बाबू' के रूप में पहचान बनाने वाले और बिहार में अपनी स्वच्छ एवं ईमानदार छवि के कारण वह गठबंधन की राजनीति में एक मुख्य धुरी बने हुए हैं। हाल के समय में मीडिया से नीतीश से दूरी, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव द्वारा 'अचेत मुख्यमंत्री' कहे जाने और प्रशासन पर नौकरशाही के हावी होने के आरोपों के बावजूद बिहार के मतदाताओं ने उनके नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को इस बार एक ऐतिहासिक जनादेश दिया है। बिहार में जनादेश की बहार में 'नीतीशे कुमार' पर जनता ने एक बार फिर ऐतबार जता दिया। छह महीने पहले तक जहां नीतीश कुमार की विश्वसनीयता पर सवाल उठ रहे थे और विपक्षी दल महागठबंधन मजबूत दिख रहा था, चुनाव नतीजों ने उनके खिलाफ तमाम अटकलें को हवा–हवाई साबित कर दिया। नीतीश कुमार ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वह अब भी बिहार के राजनीतिक रंगमंच के सबसे दमदार और सरदार अदाकार हैं। राजग की इस बार की जीत सिर्फ सरकार बनाने के लिए नहीं, बल्कि बिहार की जनता की निरंतरता और स्थिरता की चाहत का प्रमाण है। जनता ने फिर से कहा है ,"बिहार में बहार है, नीतीशे कुमार हैं..."

नीतीश कुमार अपनी जनसभाओं, रैलियों में कहते , "2005 से पहले कुछ था... कोई काम किया है, ऊ लोग द्धराजदऋ....कोई शाम के बाद निकल पाता था... ।"

नीतीश कहते रहे कि 'सब हम लोग कितना काम किए जी... ।'

श्री नीतीश कुमार का लगातार पांचवां विधानसभा चुनाव जीतना और 10वीं बार मुख्यमंत्री बनना, भारतीय राजनीति में एक दुर्लभ उपलब्धि है, खासकर हिंदी भाषी राज्यों में, जहां भारतीय लोकतंत्र में बदलाव की उम्मीद की जाती है, वहीं बिहार ने बार–बार दोहराये जाने वाले चेहरे पर अपना विश्वास दिखाया है। इस बार राजग में भाजपा और जदयू ने बराबर–बराबर 101–101 सीटों पर चुनाव लड़ा और राजग ने उन्हें फिर से मुख्यमंत्री के चेहरे के रूप में आगे रख कर चुनाव लड़ा। इस चुनाव में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और श्री नीतीश कुमार की छवि का फायदा मिला। राजग ने 2010 के 200 से अधिक सीटों को जीतने के प्रदर्शन को दोहराया। कभी बिहार में भाजपा के बड़े भाई की भूमिका में रहे जदयू को इस बार छोटे भाई की भूमिका में देखा जा रहा था। चुनाव से पहले यह व्यापक रूप से माना जा रहा था कि श्री मोदी की स्थायी लोकप्रियता और भाजपा का राष्ट्रीय प्रभुत्व ही राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सबसे बड़ी ताकत होगी, जो श्री नीतीश कुमार की घटती लोकप्रियता की भरपाई कर सकती है। इस बार चुनाव परिणाम ने भाजपा–जदयू को बराबर का सहभागी साबित किया है। इस चुनाव में श्री नीतीश कुमार ने महिला मतदाताओं के बीच एक मजबूत सद्भावना अर्जित की है। बिहार की श्दीदियोंश ने मजबूती से उनका हाथ थामे रखा। यह बात लंबे समय से मानी जाती रही है कि बिहार की महिलाएं 2005 से चली आ रही श्री नीतीश कुमार नेतृत्व वाली राजग सरकार की महिला–केंद्रित योजनाओं की वजह से उनसे खूब जुड़ी हुई हैं, लेकिन इस बार गेम–चेंजर बना चुनावी सीजन के दौरान 1.4 करोड़ से ज्यादा महिलाओं को दिया गया, 10 हजार रुपये का नकद भुगतान। 'दस–हजारिया' लाभार्थी और जीविका दीदियां राजग की बड़ी जीत का असली इंजन बन गयीं। सरकारी योजनाओं से लाभ पाने वाली महिलाएं बड़ी संख्या में हैं और वे हर जाति, समुदाय और वर्ग से आती हैं। इस बार 71.6 प्रतिशत महिलाओं ने वोट डाला, जो पुरुषों (62.8 प्रतिशत) से करीब नौ प्रतिशत ज्यादा है। मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना जैसी कल्याणकारी पहलों के माध्यम से महिला मतदाताओं ने उनके नेतृत्व के लिए एक स्थिर बल के रूप में काम किया है, जिससे उन्हें अन्य वर्गों के झटकों से बचाव मिला है।

शपथ मंच पर गूंजा 'मोदी–नीतीश हिट', जीत को लेकर लोगों ने रखे अपने–अपने पक्ष

पटना। बिहार की राजधानी पटना में गुरुवार को उत्साह, ऊर्जा और उम्मीदों से भरे दिन के बीच राज्य के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में लोगों का जोश देखने लायक था। मंच से बज रहे चुनावी लोकगीत 'जोड़ी मोदी अउर नीतीश जी के हिट हो गईल' ने माहौल को और भी रंगीन बना दिया। धुन शुरू होते ही समारोह स्थल तालियों और नारों से गूंज उठा। समारोह में पहुंचे अरवल के राम गोविंद सिंह ने इस भारी बहुमत को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता का नतीजा बताया। उनके अनुसार, 'मोदी जी के नेतृत्व और उनकी कार्यशैली ने ही बिहार में यह बड़ा जनादेश दिलाया है।'

19वें राष्ट्रीय जंबूरी का आयोजन 23 नवंबर से, 40 हजार लोग होंगे शामिल

सीएम योगी ने की तैयारियों की समीक्षा

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ में 23 से 29 नवंबर के बीच 19वें राष्ट्रीय जंबूरी का आयोजन किया जा रहा है। डिफेंस एक्सपो में चलने वाले स्काउट गाइड के इस सात दिवसीय आयोजन में देश भर से 40 हजार से ज्यादा मेहमान लखनऊ आने वाले हैं। बृहस्पतिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपनी टीम के साथ तैयारियों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने खुद निरीक्षण कर तैयारियों को परखा। आयोजन में 30 हजार स्काउट गाइड कैडेट तो करीब 10 से 15 हजार अन्य लोग होंगे। मेहमानों के स्वागत व ठहरने के लिए वृंदावन योजना स्थित डिफेंस एक्सपो ग्राउंड में बड़े स्तर पर टेंट सिटी बनाई जा रही है। देश के विभिन्न राज्यों से 30 हजार से ज्यादा प्रतिभागी, 2000 विदेशी प्रतिभागी, पांच हजार अधिकारी व अन्य स्टाफ भी शामिल हो रहे हैं। कुल संख्या 40 हजार पार होने की उम्मीद है। इनके लिए 4500 से ज्यादा टेंट, 1600 शौचालय, 1600 स्नानागर, 35 हजार लोगों की क्षमता का एरिना स्टेडियम, 100 बिस्तर का अस्पताल, 15 डिस्पेंसरी बनाई जा रही है। जानकारी के मुताबिक, टेंट सिटी व अन्य निर्माण के लिए 45 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। इसके अलावा आसपास के होटल व बाजारों में भी रौनक छाने लगी है।

नागरिक सुविधाओं के अलावा भव्य जंबूरी मेला भी लगेगा

डिफेंस एक्सपो मैदान में नागरिक सुविधाओं के अलावा भव्य जंबूरी मेला भी लगेगा। इसके लिए 100 दुकानों का जंबूरी बाजार बन रहा है। इस बाजार के संचालक पवन गुप्ता ने बताया कि 100 में 85 स्टॉलनुमा दुकानों की बुकिंग हो गई है। शेष 15 की बुकिंग एक–दो दिन में हो जाएगी। फूड कोर्ट में 7000 लोगों के बैठने की व्यवस्था रहेगी। स्टॉल से ही 500 परिवारों को प्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिल रहा है।

योगी आदित्यनाथ शनिवार को प्रयागराज दौरे पर, माघ मेले की करेंगे समीक्षा बैठक

प्रयागराज, संवाददता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को प्रयागराज दौरे पर रहेंगे और माघ मेले की तैयारी को लेकर आई ट्रिपलसी सभागार में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करेंगे तथा सभी अधिकारियों के साथ मेले को भव्य और दिव्य बनाने की चर्चा करेंगे। श्री योगी शनिवार को एक विवाह समारोह में भी शामिल होने के लिए प्रयागराज पहुंचेंगे। वहीं उनके दौरे को लेकर प्रशासनिक तैयारियां तेज कर दी गई है। मुख्यमंत्री आई ट्रिपल सी सभागार में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करेंगे उसके उपरांत गंगा पूजन करने के बाद एक शादी समारोह में शामिल होने के बाद वह लखनऊ के लिए प्रयागराज से प्रस्थान करेंगे जिसको लेकर प्रशासन तैयारी में लगा हुआ है। गौरतलब है कि अगले वर्ष लगने वाले माघ मेले को भव्य और दिव्य बनाने के लिए मुख्यमंत्री योगी प्रयागराज दौरे पर रहेंगे साथ ही साथ 2024 और 2025 में महाकुंभ के तर्ज पर इस बार का माघ मेला रहेगा।

वाराणसी में छापेमारी के दौरान कोडिन युक्त प्रतिबंधित कफ सिरप की 93 हजार शीशियां बरामद

वाराणसी, संवाददाता। वाराणसी के रोहनिया क्षेत्र में स्थित एक गोदाम में बुधवार को छापेमारी के दौरान लगभग दो करोड़ रुपये मूल्य के कोडिन युक्त प्रतिबंधित कफ सिरप की 93 हजार शीशियां बरामद की हैं। पुलिस उपायुक्त (वरुणा जोन) प्रमोद कुमार ने बताया कि प्राप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने भदवर इलाके में छापेमारी के दौरान यह बरामदगी की। इस सिरप का इस्तेमाल नशे के लिए किया जाता है। कुमार ने बताया कि एक व्यक्ति को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। गोदाम के मलिक महेश सिंह को पकड़ने के लिए टीम बनाई गई हैं। इसके अलावा औषधि विभाग और एएनटीएफ की टीम को भी बुलाया गया है। उन्होंने बताया कि बरामद उत्पाद में दो ब्रांड के कफ सिरप की बोतले हैं और दोनों ब्रांड में कोडिन की मात्रा है। कुमार ने बताया कि बरामद किए गए कफ सिरप की खेप गाजिबाद से चंदौली ले जाई जानी थी।

सरधना हत्याकांड में दोषी छह लोगों को आजीवन कारावास

मेरठ, एजेंसी। मेरठ जिले की एक अदालत ने सरधना क्षेत्र में वर्ष 2022 में हुए एक हत्याकांड के छह आरोपियों को दोषी ठहराते हुए बुधवार को आजीवन कारावास की सजा सुनायी। अपर जिला शासकीय अधिवक्ता नीरज सोम के अनुसार 17 अप्रैल 2022 को सरधना थाना क्षेत्र के छबड़िया गांव के निवासी महिपाल सिंह ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें आरोप लगाया था कि सात आरोपियों ओमबीर, सतेन्द्र उर्फ पिन्टू, जितेन्द्र उर्फ पिंका, अमनदीप उर्फ अंचित, सैन्दर कौर और प्रीती ने उस पर, उसके पुत्रों और परिवार के अन्य सदस्यों पर धारदार हथियारों से हमला किया। सोम ने बताया कि शिकायत के आधार पर दर्ज प्राथमिकी में आरोप लगाया गया कि इस घटना में वादी का पुत्र संदीप गंभीर रूप से घायल हुआ था और इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई थी। इस मामले में हत्या समेत विभिन्न आरोपों में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। उन्होंने बताया कि विशेष न्यायाधीश चन्द्र शेखर मिश्र की अदालत ने बुधवार को सभी छह आरोपियों को विभिन्न धाराओं में दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

मुर्मु ने अंबिकापुर में मनाया जनजातीय गौरव दिवस

● केंद्र और राज्य सरकार के कामों की सराहना की

अंबिकापुर, एजेंसी। जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु गुरुवार को छत्तीसगढ़ सरकार के आमंत्रण पर यहां पहुंचीं, जहाँ उनका जोरदार स्वागत किया गया। ऐतिहासिक आयोजन में राष्ट्रपति ने राज्य सरकार की जनजातीय उन्नयन और सांस्कृतिक संरक्षण से जुड़ी पहलों की सराहना की और कहा कि छत्तीसगढ़ देश की जनजातीय परंपराओं का महत्वपूर्ण केंद्र है। श्रीमती मुर्मु ने अपने संबोधन में धरती आबा शहीद बिरसा मुंडा और छत्तीसगढ़ महतारी का स्मरण करते हुए कहा, ष्जनजातीय समुदायों ने देश की आज़ादी और विकास में अमूल्य योगदान दिया है। उनकी परंपराएँ, संस्कृति और जीवन–मूल्य भारत की आत्मा हैं।ष उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति भवन में श्जनजातीय दर्पणश नाम से एक नया संग्रहालय स्थापित किया गया है, जो देश की जनजातीय विरासत को संरक्षित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। राष्ट्रपति ने आत्मीयता के साथ कहा कि उन्हें गर्व है कि वह एक महिला हैं और अनुसूचित जनजाति समुदाय से आती हैं। इस संदर्भ में उन्होंने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उभरती खिलाड़ी क्रांति गोंड का विशेष उल्लेख किया। उन्होंने कहा, क्रांति गोंड जैसी बेटियाँ हमारे समाज की प्रेरणा हैं, जो बताती हैं कि अवसर मिलने पर आदिवासी युवा हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकते हैं। राष्ट्रपति ने अपने भाषण में वामपंथी उग्रवाद के मुद्दे पर भी ध्यान आकर्षित किया और कहा कि केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर शांतिपूर्ण और सुरक्षित छत्तीसगढ़ के निर्माण के लिए दृढ़ता से कार्य कर रही हैं।

दिल्ली की अदालत ने लालकिला बम धमाके के चार आरोपियों को 10 दिन की एनआईए हिरासत में भेजा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की एक अदालत ने बृहस्पतिवार को लालकिला विस्फोट मामले में चार आरोपियों को 10 दिन की एनआईए हिरासत में भेज दिया। राष्ट्रीय अन्वेषण अधिकरण (एनआईए) ने चारों आरोपियों से पूछताछ के लिए अदालत से 15 दिन की हिरासत का अनुरोध किया था। जिला एवं सत्र न्यायाधीश अंजू बजाज चांदना ने चारों आरोपियों को 10 दिन की एनआईए हिरासत में भेज दिया। चारों आरोपियों में पुलवामा के डॉ. मुजम्मिल शकील गनई, अनंतनाग के डॉ. अदील अहमद राथर और जम्मू–कश्मीर के शोपियां के मुफ्ती इरफान अहमद वगाय और उत्तर प्रदेश के लखनऊ की डॉ. शाहीन सईद शामिल हैं।

ईडी ने नकली समन के मामलों से निपटने के लिए क्यूआर कोड सत्यापन शुरू किया

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के नाम पर धोखाधड़ी और जबरन वसूली के लिए नकली समन भेजे जाने की बढ़ती खबरों के बीच ईडी ने नागरिकों को समन नोटिस की असलियत सत्यापित करने में मदद करने के लिए नए तरीके लागू किए हैं। वित्त मंत्रालय ने आज अपने आधिकारिक अकाउंट के जरिये इसकी घोषणा की। नकली ईडी समन असली नोटिस जैसे ही होते हैं, जिससे पाने वालों के लिए सही और गलत के बीच फर्क करना मुश्किल हो जाता है। इस बढ़ती समस्या से निपटने के लिए ईडी अब सिस्टम से बनने वाले समन जारी कर रहा है जिसमें एक क्यूआर कोड और एक यूनिक पासकोड होता है। वित्त मंत्रालय ने कहा, ष्प्रवर्तन निदेशालय द्वारा जारी किए गए समन को उन पर छपे क्यूआर कोड को स्कैन करके या आधिकारिक ईडी वेबसाइट पर जाकर सत्यापित किया जा सकता है।ष ईडी ने यह भी साफ़ किया कि वह डिजिटल या ऑनलाइन गिरफ्तारी नहीं करता है। ईडी ने नागरिकों को नकली लोगों से सावधान रहने की सलाह दी है। ईडी ने नागरिकों से अपील है कि वे कोई भी कदम उठाने से पहले सावधान रहें और किसी भी संदिग्ध समन को सत्यापित करें, ताकि वे ईडी अधिकारी बनकर धोखा देने वालों का शिकार न बनें। इस पहल का मकसद लोगों का भरोसा वापस लाना और ईडी के कानूनी प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ाना है।

सबरीमाला सोना चोरीः पूर्व टीडीबी अध्यक्ष पद्मकुमार गिरफ्तार

पथानामथिट्टा, एजेंसी। केरल के पथानामथिट्टा ज़िले में स्थित सबरीमाला मंदिर से कथित तौर पर सोना गायब होने के मामले में त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड (टीडीबी) के पूर्व अध्यक्ष ए पद्मकुमार को विशेष जाँच दल (एसआईटी) ने गिरफ़्तार कर लिया है। अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। केरल विधानसभा के पूर्व विधायक पद्मकुमार से तिरुवनंतपुरम स्थित अपराध शाखा कार्यालय में एसआईटी द्वारा पूछताछ के कुछ ही घंटे बाद यह मामला सामने आया है। अधिकारियों ने कहा कि जांच में पाया गया है कि पद्मकुमार सोना लूट मामले का मुख्य मास्टरमाइंड है। एसआईटी की खोज यह है कि पद्मकुमार ने उन्नीकृष्णन पोट्टी के साथ उनके घर पर गुप्त चर्चा की थी।

नीतीश के 10वीं बार सीएम बनने पर पवन खेड़ा का तंजः धोखा न मिले, कार्यकाल पूरा करें

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को रिकॉर्ड 10वीं बार पद की शपथ लेने पर बधाई देते हुए, कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने गुरुवार को उन पर कटाक्ष किया और उम्मीद जताई कि उन्हें कोई धोखा नहीं सहना पड़ेगा और वे अपना कार्यकाल पूरा करेंगे। एएनआई से बात करते हुए, खेड़ा ने नीतीश कुमार और बिहार में एनडीए से अपने चुनावी वादे पूरे करने को कहा। कांग्रेस नेता ने कहा कि हम नीतीश कुमार जी को बधाई देते हैं और उम्मीद करते हैं कि उन्हें कोई धोखा नहीं सहना पड़ेगा और वे अपना कार्यकाल पूरा कर पाएँगे। कम से कम वे कुछ ऐसा तो कर पाएँ जो पिछले 20 सालों में नहीं हुआ। बिहार में वे चाहे जैसे भी जीते, उन्हें अपने वादे पूरे करने चाहिए। इससे पहले आज, जनता दल (यूनाइटेड) के प्रमुख नीतीश कुमार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के अन्य प्रमुख नेताओं की उपस्थिति में रिकॉर्ड 10वीं बार बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली।

पति–पत्नी को तीन दिन डिजिटल अरेस्ट कर 12 लाख ठगे

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में साइबर ठगों ने सेवानिवृत्त बैंककर्मी राकेश सिन्हा को पत्नी समेत फोन पर झांसा देकर डिजिटल अरेस्ट कर लिया। लगातार तीन दिन तक वीडियो कॉल पर रखकर ठगों ने दोनों से 12.20 लाख ठगे लिए। पीड़ित ने

पुलिस को बताया, 14 नवम्बर की शाम उनके पास अज्ञात नंबर से फोन आया। कॉल करने वाले ने स्वयं को ट्राई (TRAI) का प्रतिनिधि बताया और कहा कि उनके आधार से कई नम्बर जुड़े हैं जिनसे आपत्तिजनक संदेश भेजे जा रहे हैं। इसके बाद कॉल को कथित मुंबई पुलिस मुख्यालय से जोड़ दिया गया। एक व्यक्ति ने खुद को कोलाबा थाने का उप निरीक्षक विजय खन्ना, जबकि दूसरे ने अपर पुलिस आयुक्त नायक बताया। ठगों ने दोनों को बताया कि उनके विरुद्ध गिरफ्तारी वारंट तैयार है और उनका नाम मनी लांड्रिंग मामले में आया है। वरिष्ठ नागरिक बताते हुए उन्हें घर से बाहर न निकलने और "जांच" में सहयोग करने का दबाव बनाया गया। इस तरह उन्हें मानसिक दबाव में रखकर पूरी तरह डिजिटल अरेस्ट कर दिया गया। 16 नवम्बर को ठगों ने उनके मोबाइल पर उच्चतम न्यायालय के नाम से फर्जी आदेश भेजा। 17 नवंबर को उसी आदेश का हवाला देकर दोनों की सभी एफडी तोड़वायी और फिर 12.20 लाख रुपये महाराष्ट्र के जलगांव स्थित एक खाते में आरटीजीएस से जमा कराए। साइबर थाना पुलिस ने बताया। जानकारी मिली है। बैंक दस्तावेज लेकर ठगी में प्रयुक्त खाते को फ्रीज कराने की प्रक्रिया भी तेज कर दी है।

मुलायम सिंह के आपत्तिजनक कार्टून पर विवाद

प्रयागराज (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी के संस्थापक दिवंगत मुलायम सिंह यादव का आपत्तिजनक कार्टून सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद विवाद बढ़ गया है। गुरुवार को प्रयागराज में समाजवादी छात्र सभा के कार्यकर्ताओं ने इस मामले को लेकर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने इसे दिवंगत नेता का अपमान बताते हुए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की।

प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि वरिष्ठ नेताओं का अपमान करने की यह प्रवृत्ति समाज में गलत संदेश दे रही है। उनका कहना था कि राजनीतिक मतभेद या आलोचना को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर व्यक्तिगत टिप्पणी या अपमानजनक प्रस्तुति में बदलना अस्वीकार्य है। उन्होंने स्पष्ट किया कि दिवंगत नेता के सम्मान से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए चेतावनी दी कि भविष्य में ऐसी हरकतें दोबारा न की जाएं। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर नेताओं की छवि धूमिल करने और समाज में भ्रामक माहौल पैदा करने की कोशिशें बढ़ रही हैं, जिन्हें रोकना आवश्यक है। युवाओं ने इस बात पर जोर दिया कि राजनीतिक विचारधाराएं अलग हो सकती हैं, लेकिन किसी के निधन के बाद भी उनका मजाक उड़ाना अनैतिक है और समाज में अनावश्यक तनाव पैदा करता है। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि इस तरह की घटनाओं पर सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति किसी नेता की छवि या सम्मान के साथ खिलवाड़ करने की हिम्मत न कर सके। उन्होंने कहा कि दिवंगत नेता की राजनीतिक और सामाजिक भूमिका का सम्मान करना हर नागरिक की जिम्मेदारी है। विरोध प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं में गुस्सा साफ दिखाई दिया। उन्होंने कहा कि मुलायम सिंह का अपमान किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कार्यकर्ताओं ने यह भी दोहराया कि यदि ऐसी गतिविधियां दोबारा सामने आती हैं, तो विरोध और तेज किया जाएगा।

प्रयागराज में नर्सिंग छात्रों ने किया डीएम ऑफिस का घेराव

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में घूरपुर स्थित करमा नर्सिंग पैरामेडिकल सेंटर के छात्रों ने गुरुवार को डीएम कार्यालय के मुख्य गेट पर धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। छात्रों का आरोप है कि कॉलेज ने इंडियन नर्सिंग काउंसिल (INC) की मान्यता न होने की बात छिपाकर उन्हें प्रवेश दिया, जिससे उनका भविष्य अधर में लटक गया है। छात्रों के अनुसार, दस्तावेजों की जांच करने पर उन्हें पता चला कि कॉलेज को आईएनसी की मान्यता प्राप्त नहीं है। इस स्थिति के कारण उनकी पढ़ाई, रोजगार और रजिस्ट्रेशन का भविष्य अनिश्चित हो गया है। छात्रों की मुख्य मांग है कि उन्हें किसी मान्यता प्राप्त कॉलेज में स्थानांतरित किया जाए या उनकी पूरी फीस वापस की जाए।

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना संख्याः- वि./ग.श.य./प्रयागराज/ई-टेंडर सूचना/2025/53 दिनांक- 12.11.2025

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से **उप मुख्य बिजली इंजीनियर/गति शक्ति यूनिट/उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज** निर्धारित प्रपत्र पर निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-निविदा दिनांक 04.12.2025 समय 15.00 बजे तक आमंत्रित करते हैं निविदा सम्बंधित विस्तृत विवरण निम्नलिखित हैं-

क्रम संख्या	निविदा संख्या	काम की लागत	बिड सिक्योरिटी
1	GSU-EL-WC-65-2025	₹ 37,22,362.67	₹ 74,500/-

कार्य का नाम: "प्रयागराज डिवीजन में मुख्यालय के पत्र संख्या के अनुसार मौजूदा इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग में 20% से अधिक संशोधन/परिवर्तन के कारण पनकीधाम स्टेशन पर नए इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग के संबंध में विद्युत कार्य, 02 ईसीयू (पूर्व और पश्चिम) के स्थानांतरण के कारण।"

कार्य समाप्त करने की समयावधिः 06 माह, **निविदा खुलने की तिथिः** 04.12.2025, समय-15.30 बजे। **नोटः** 1. उपरोक्त ई-निविदा की निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी निविदा खुलने की तिथि से 21 दिन पहले वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। 2. उपरोक्त निविदाओं के लिए ई-बोली के अलावा अन्य बोलियाँ स्वीकार नहीं की जाएंगी। इस प्रयोजन के लिए, विक्रेताओं को डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ आई आर ई पी एस वेबसाइट पर खुद को पंजीकृत कराना आवश्यक है। 3. किसी भी कठिनाई के मामले में IREPS की वेबसाइट पर उपलब्ध हेल्प डेस्क से संपर्क किया जा सकता है।

2214/25 FA

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

वकील का सांसद जैसा भौकाल, 250 गाड़ियों से निकाला जुलूस

नेताओं की तरह हाथ हिलाता रहा, यूपी बार काउंसिल चुनाव में शक्ति प्रदर्शन

प्रयागराज (संवाददाता)। यूपी बार काउंसिल चुनाव का नामांकन चल रहा है। वकीलों का शहर कहलाने वाले प्रयागराज में अधिवक्ताओं का जलवा हर रोज देखने को मिल रहा है। हर कोई अपनी ताकत और भौकाल दिखा रहा है। कोई लग्जरी कारों के काफिले से अपनी ताकत दिखा रहा है तो कोई खुली कार से लोगों का अभिवादन स्वीकार कर रहा है।

बार काउंसिल चुनाव में नामांकन के लिए उम्मीदवार विधायकों–सांसदों की तरह भौकाल दिखा रहे हैं। जुलूस निकाल रहे हैं। रैलियां कर रहे हैं। उनके साथ गाड़ियों का लंबा काफिला चल रहा है। वकीलों के इस अंदाज की चर्चा पूरे शहर में है।

एक वकील 250 लग्जरी गाड़ियों का काफिला लेकर नामांकन करने पहुंचे। प्रत्याशी अधिवक्ता उपेंद्र सिंह उर्फ बाबा का काफिला पूरे शहर में लोगों की जुबान पर चढ़ा रहा। पहले वह समर्थकों और काफिले के साथ संगम क्षेत्र गए। फिर वहां से नामांकन स्थल तक विशाल रैली निकाली।

प्रयागराज की सड़कों पर गाड़ियों की कतार कई सौ मीटर तक देखी गई। लंबी लाइन की वजह से जाम के हालात भी बने। रास्ते में जगह–जगह लोग काफिला देखकर रुक जाते, वीडियो बनाने लगते। फूल मालाओं से लदे वकील भी सामने दिखने वालों का अभिवादन स्वीकार करते।

नजारा पूरी तरह पॉलिटिकल इवेंट जैसा दिख रहा है। काफिले में समर्थक ढोल–नगाड़े बजाते, नारे लगाते और बाबा के पक्ष में माहौल बनाते नजर आए। वकीलों ने भी माना कि ऐसा शक्ति प्रदर्शन कई सांसद और विधायक उम्मीदवार भी नहीं दिखा पाते हैं।

जिला न्यायालय के अधिवक्ता पंकज कुमार त्रिपाठी ने भी अपने अंदाज में नामांकन किया। पंकज त्रिपाठी भी गाड़ियों के काफिले और बड़े समर्थक समूह के साथ पहुंचे। वह खुद एक गाड़ी की रूफ से बाहर निकले और सबका अभिवादन कर रहे थे। उनके समर्थक उनके लिए जयकारा लगाते रहे। ऐसा लगा कि नामांकन स्थल चुनावी मैदान बन गया।

इस तरह के कई और काफिलों ने साफ कर दिया कि इस बार का चुनाव सिर्फ पर्चा दाखिल करने का औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि ताकत, लोकप्रियता और पहुंच दिखाने का बड़ा मंच बन गया है। कई उम्मीदवार पूरी सादगी के साथ शांतिपूर्वक नामांकन कर रहे हैं, लेकिन शक्ति प्रदर्शन करने वालों की संख्या और उनका अंदाज इस बार कहीं ज्यादा मुखर है।

अधिवक्ताओं का ही कहना है कि अबकी बार का यूपी बार काउंसिल चुनाव का नामांकन इलाहाबादी भौकाल, स्टेटस सिंबल, शक्ति प्रदर्शन, पावर दिखाने, जलवा बिखेरने का मंच भी नजर आ रहा है।

उत्तर प्रदेश बार काउंसिल के सामान्य निर्वाचन 2025–26 के लिए नामांकन प्रक्रिया 14 से 19 नवंबर तक चली। अंतिम दिन 19 नवंबर को बड़ी संख्या में अधिवक्ताओं ने अपने पर्चे दाखिल किए। बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के सचिव के अनुसार नामांकन के अंतिम दिन सदस्य पद के लिए कुल 25 प्रत्याशियों ने आवेदन किया। इसके साथ ही, 14 से 19 नवंबर के बीच कुल 334 प्रत्याशियों ने बार काउंसिल सदस्य पद के लिए अपने नामांकन पत्र जमा किए।

९८ वर्षीय प्रेम शंकर की डेडबॉडी से पढ़ेंगे एमबीबीएस स्टूडेंट्स

प्रयागराज में मौत के एक दिन पहले ही खुद भरा था देहदान का संकल्प पत्र, भोर में ली अंतिम सांस

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में 98 वर्षीय प्रेमशंकर खरे का आज गुरुवार को भोर में निधन हो गया। अग्रेसन इंटर कॉलेज में HOD रहे प्रेमशंकर ने कल शाम को ही अपने हाथों से देहदान का संकल्प पत्र भरा था। उन्होंने अपने परिजनों से कहा था कि उनके निधन के बाद उनका देहदान किया जाए। इसके बाद भोर में ही उन्होंने अंतिम सांस ली। उन्होंने कई किताबें भी लिखी है। कई वर्षों तक NCERT से भी जुड़े रहे।

निधन के बाद उनके बेटे ने इसकी सूचना मेडिकल कॉलेज की टीम को दी। इसके बाद मनोहर दास क्षेत्रीय संस्थान की टीम नेत्रदान के लिए उनके आवास पहुंची। उनकी आंखें किसी जरूरतमंद के काम आएंगी। इसके बाद फिर मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज में उनका देहदान भी कर दिया गया। अब उनकी डेडबॉडी से MBBS के स्टूडेंट्स डॉक्टरी की पढ़ाई करेंगे। एनाटमी डिपार्टमेंट में उनकी बॉडी को रखा गया है।

स्व. प्रेम शंकर खरे की पत्नी कुसुमलता खरे का निधन वर्ष 2016 में हो गया था। उनके निधन के बाद भी उनका देहदान किया गया था। उनके बेटे पीयूष खरे ने बताया कि माता–पिता के देहदान के बाद परिवार के सभी सदस्यों ने देहदान करने का संकल्प लिया है। उनका मानना है कि मेडिकल स्टूडेंट्स की पढ़ाई में बड़ी सहूलियत होगी, वो एक अच्छे डॉक्टर्स बन सकेंगे।

बेटे पीयूष बताते हैं कि "पिता के विचारों की स्पष्ट सोच और सीखने के प्रति समर्पण से कई पीढ़ियों को जीवन जीने की प्रेरणा मिली। इंसानियत की सेवा में अपने जीवन भर के विश्वास पर कायम रहते हुए पिताजी ने रिसर्च और पढ़ाई के लिए अपना शरीर मेडिकल कॉलेज, प्रयागराज को दान कर दिया था।

एनाटॉमी विभागाध्यक्ष डॉ. कृष्णा पाण्डेय के निर्देशन में पूरा मेडिकल कॉलेज परिवार उनके पार्थिव शरीर को सम्मानपूर्वक ग्रहण किया। इस दौरान डॉ. निशा सिंह, डॉ. ममता आनंद, जूनियर डॉक्टर और मेडिकल छात्र भी उपस्थित रहे।

डॉ. कृष्णा पाण्डेय ने बताया कि "स्व. प्रेम शंकर खरे का देहदान मेडिकल शिक्षा और मानवता की सेवा के प्रति असाधारण समर्पण का उदाहरण है। ऐसी प्रेरक पहल चिकित्सा विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी और समाज के लिए मार्गदर्शक है।"मेडिकल कॉलेज परिवार ने उनके योगदान को नमन करते हुए संवेदना व्यक्त की तथा समाज से अधिक से अधिक लोग देहदान के प्रति जागरूक होने की अपील की।

प्रयागराज–कानपुर हाईवे पर चलती कार में लगी आग

प्रयागराज (संवदादाता)। प्रयागराज–कानपुर हाईवे पर गुरुवार को एक बड़ा हादसा उस समय होते–होते टल गया, जब चलती कार में अचानक आग लग गई। कुछ ही सेकेंड में कार से उठते धुएं ने लपटों के रूप ले लिया और कार आग के गोले में तब्दील हो गई। कार में सवार सभी लोगों ने तत्परता दिखाते हुए तुरंत बाहर कूदकर अपनी जान बचाई।

घटना पुरामुफ्ती थाना क्षेत्र के बमरौली इलाके के मारियाडीह मोड़ के पास हुई, जहां सड़क पर अचानक हुए इस हादसे को देखकर आसपास मौजूद लोग भी दहशत में आ गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार हाईवे पर सामान्य रफ्तार से जा रही थी कि अचानक उसके बोनट से धुआं निकलने लगा। चालक ने गाड़ी रोक कर स्थिति समझने की कोशिश की, तभी धुएं के साथ आग की लपटें उठने लगीं। देखते ही देखते आग पूरी कार में फैल गई। किसी तरह कार सवारों ने दरवाजे खोलकर बाहर छलांग लगाई और सड़क किनारे सुरक्षित दूरी पर खड़े हो गए।

इस दौरान मौके से गुजर रहे एक राहगीर ने जलती हुई कार का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर साझा कर दिया, जो तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में हाईवे किनारे खड़े कई लोग मोबाइल से जलती कार को रिकॉर्ड करते हुए दिखाई दे रहे हैं। लगभग पूरी कार आग की चपेट में थी, जबकि आसपास खड़े लोग मदद करने के बजाय सिर्फ वीडियो बनाते नजर आए।

घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक कार लगभग पूरी तरह जलकर राख हो चुकी थी। पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका जताई जा रही है, हालांकि सटीक कारण तकनीकी जांच के बाद ही स्पष्ट होगा।

इस पूरी घटना में कोई घायल नहीं हुआ, लेकिन चलती कार में आग लगने का यह मामला लोगों में चर्चा का विषय बना हुआ है। पुलिस ने कार मालिक से बातचीत कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। हाईवे पर कुछ देर के लिए यातायात प्रभावित रहा, जिसे बाद में सामान्य कर दिया गया।

प्रयागराज में माघ मेला के लिए घाटों पर होगी नंबरिंग

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज माघ मेला 2026 के लिए प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। श्रद्धालुओं की आवाजाही को सुरक्षित और सुगम बनाने के उद्देश्य से प्रयागराज मेला प्राधिकरण के आई–ट्रिपल–सी सभागार में एक उच्च स्तरीय बैठक हुई। इसमें एडीजी राजीव गुप्ता, मंडलायुक्त सौम्या अग्रवाल और डीएम मनीष कुमार वर्मा मौजूद रहे। बैठक में यातायात, पार्किंग, सुरक्षा और साइनेज व्यवस्था पर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में स्नान घाटों की नंबरिंग करने और उन पर बैलून लगाने का अहम फैसला लिया गया। इससे भीड़ में श्रद्धालुओं को घाटों की पहचान करने में आसानी होगी।

माघ मेला के लिए हवाई टिकट महंगा हुआ

प्रयागराज (संवाददाता)। माघ मेला 2026 में मुख्य स्नान पर्वों पर श्रद्धालु देशभर से आ रहे हैं। लेकिन आस्था की इस यात्रा पर उन्हें जेब से भारी कीमत चुकानी पड़ रही है। एयरलाइंस कंपनियों ने हवाई टिकटों के दामों में बंपर बढ़ोतरी कर दी है। सामान्य दिनों में दिल्ली से प्रयागराज की एकतरफा उड़ान का किराया करीब 4,951 रुपए रहता है, लेकिन मौनी अमावस्या से एक दिन पहले यानी 17 जनवरी 2026 को यही टिकट 17,530 रुपए तक पहुंच गया है। 18 जनवरी को प्रयागराज से दिल्ली का किराया 10,000 रुपए से ऊपर चला गया है। दिल्ली ही

नहीं, दक्षिण भारत से आने वाले यात्रियों की परेशानी भी बढ़ी है। बेंगलुरु–प्रयागराज का सामान्य किराया 7,809 रुपए होता है, जो 17 जनवरी को बढ़कर 12,353 रुपए तक पहुंच गया है। वहीं वापसी में 18 जनवरी को यह किराया 8,388 रुपए से ऊपर है। हैदराबाद–पटना रूट पर भी दामों में उछाल देखने को मिला है। आने का किराया 8,787 रुपए से बढ़कर 10,508 रुपए और वापसी में 9,206 रुपए तक जा पहुंचा है। दिल्ली और दक्षिण भारत के मुकाबले मुंबई रूट पर यात्रियों को कुछ राहत मिली है। मुंबई से प्रयागराज आने–जाने के किराए में बहुत मामूली बढ़ोतरी हुई है। विशेषज्ञों का कहना है कि मुंबई रूट पर फ्लाइटों की संख्या अधिक होने के कारण सप्लाई ज्यादा है, इसलिए कीमतें स्थिर बनी रहीं। विशेषज्ञों का मानना है कि मांग बढ़ने पर इस तरह का मूल्य उछाल आम बात है, लेकिन सरकार चाहे तो किराया सीमाओं को कुछ समय के लिए नियंत्रित कर सकती है।संगम किनारे आस्था का समंदर उमड़ने को तैयार है, पर आसमान में उड़ान भरना पहले से कहीं ज्यादा महंगा साबित हो रहा है। वर्तमान में प्रयागराज एयरपोर्ट (बमरौली) से केवल छह शहरों – दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद, भुवनेश्वर और कुछ अन्य के लिए सीमित उड़ानें ही उपलब्ध हैं। दिल्ली रूट पर तो रोजाना फ्लाइट भी नहीं है। मेले के दौरान अतिरिक्त उड़ानें शुरू करने की मांग लंबे समय से उठ रही है। प्रशासन और विमानन कंपनियों से उम्मीद है कि मौनी अमावस्या से पहले फ्लाइट्स की संख्या बढ़ाई जाएगी, वरना हवाई मार्ग से आने वाले लाखों श्रद्धालु परेशान होंगे। श्रद्धालुओं का कहना है कि महाकुंभ 2025 की तरह इस बार माघ मेले में भी अभूतपूर्व भीड़ आएगी। ऐसे में ट्रेनों के बाद अब हवाई किराए की मारामारी आम यात्री की जेब पर भारी पड़ रही है। कई लोग पहले से बुकिंग कराने की सलाह दे रहे हैं, वरना अंतिम समय में टिकट मिलना भी मुश्किल हो जाएगा

पूर्व ब्लॉक प्रमुख समेत आठ पर गैंगस्टर

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में अधिवक्ता अखिलेश उर्फ गुड्डू शुक्ला हत्याकांड के आठ आरोपियों पर गैंगस्टर लगा दिया गया है। इनमें बलिया के गड़वार ब्लॉक का पूर्व प्रमुख और हत्याकांड का मुख्य आरोपी अतुल प्रताप सिंह भी शामिल है। उसे गैंग लीडर जबकि हत्याकांड के सात अन्य आरोपियों को गैंगचार्ट में सदस्य बनाया गया है। पुलिस का कहना है कि विवेचना पूरी करने के बाद आरोपियों की अपराध से बनाई गई संपत्तियां कुर्क की जाएंगी। यह वारदात 17 नवंबर 2024 की रात 10 बजे शिवकुटी

के कैलाशपुरी में अमिताभ बच्चन पुलिया के पास हुई थी। यहां अधिवक्ता अखिलेश पर असलहों की बट, लोहे की रॉड से हमला किया गया था। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई थी। इस मामले में एक नामजद व अन्य अज्ञात पर हत्या समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज हुआ था। बाद में विवेचना के दौरान नामजद आरोपी समेत कुल सात अन्य नाम सामने आए। आरोप यह भी है कि इस हत्याकांड का मुख्य आरोपी पूर्व ब्लॉक प्रमुख अतुल प्रताप सिंह है। पुलिस ने सभी को गिरफ्तार कर जेल भेज था। आरोपियों में से एक देवेंद्र प्रताप सिंह उर्फ राहुल सीएमपी डिग्री कॉलेज का पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष है। उसे एक अन्य आरोपी पुष्पेंद्र सिंह के साथ घटना के करीब चार महीने बाद गिरफ्तार किया गया था। जबकि पूर्व ब्लॉक प्रमुख अतुल व उसके ड्राइवर अजय यादव को आठ दिसंबर की रात जेल भेजा गया था। मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी न होने पर अधिवक्ताओं ने कई दिनों से आंदोलन तेज कर दिया था। सात दिसंबर 2024 को मुख्यमंत्री के आगमन से ठीक पहले मेयोहाल चौराहे पर उग्र विरोध प्रदर्शन भी किया था। इसके बाद हरकत में आई पुलिस ने एक दिन बाद ही मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया था। थाना शिवकुटी पुलिस द्वारा तैयार गैंग चार्ट के अनुसार इस गैंग का लीडर अतुल प्रताप सिंह और सदस्य निखिलकांत सिंह, अजय यादव, देवेंद्र प्रताप सिंह उर्फ राहुल, पुष्पेंद्र सिंह, रणविजय उर्फ प्रिंस सिंह, मनोज सिंह और दुर्गेश सिंह हैं। यह गैंग आर्थिक लाभ के लिए सुनियोजित तरीके से हत्या, मारपीट और बलवा जैसे जघन्य अपराध करता है। इनके आतंक से गवाह सामने आने की हिम्मत नहीं कर पा रहे, जिससे कानून व्यवस्था प्रभावित हो रही है। इसी आधार पर सभी के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई की गई है।

प्रयागराज में दो लोगों से ठगे गए 76 हजार रुपए

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में साइबर ठगी का मामला सामने आया है। अनजान मोबाइल नंबरों से व्हाट्सएप पर .चा फाइल वाला शादी कार्ड भेज रहे हैं। जैसे ही लोग इसे डाउनलोड करते हैं उनके मोबाइल से बैंक की गोपनीय जानकारी निकल जाती है और खाते से रुपए साफ हो जाते हैं। शहर में दो लोगों से इस तरह 76 हजार की ठगी की है। राजापुर निवासी होटल कारोबारी सुनील यादव ने बताया कि 10 नवंबर को उनके व्हाट्सएप पर एक शादी कार्ड आया। उन्होंने सोचा किसी परिचित ने भेजा होगा और फाइल डाउनलोड कर ली। इसके बाद उनका मोबाइल हैंग हो गया। कुछ घंटों बाद बैंक खाते से 42 हजार रुपए उड़ गए। इसी तरह टैगोर टाउन के रवि केसरवानी के साथ भी ठगी हुई। 15 नवंबर को उन्हें भी शादी कार्ड के नाम पर डॉट एपीके फाइल भेजी गई। अगले दिन सुबह उनके खाते से 34,347 रुपए कट गए। तब जाकर उन्हें ठगी का एहसास हुआ। साइबर क्राइम पुलिस के मुताबिक ठग इन डॉट एपीके फाइलों के जरिए लोगों के मोबाइल फोन हैक कर निजी और बैंकिंग डाटा चुरा रहे हैं। पुलिस ने अपील की है कि किसी भी अनजान लिंक या फाइल को डाउनलोड करने से पहले ध्यान से देखें कि फाइल के अंत में .चा तो नहीं लिखा है।

विज्ञापन दरों में वृद्धि को अखिल भारतीय समाचार-पत्र एसोशिएशन ने बताया सरकार का स्वागत योग्य निर्णय

विज्ञापन दरों में वृद्धि स्वागत योग्य किंतु मासिक पत्रिका की दरों में घटोत्तरी पुनर्विचार करने योग्य : राष्ट्रीय अध्यक्ष -अखिलेश चन्द्र शुक्ला

सराहना तभी सार्थक जब दरों में वृद्धि के साथ लघु समाचार पत्रों को विज्ञापन वितरण में प्राथमिकता सुनिश्चित हो। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष –आशीष कुमार शर्मा

सीबीसी द्वारा जारी की गई नई विज्ञापन वृद्धि सन्दर्भित एडवाइजरी लघु समाचार पत्र पत्रिकाओं के लिए बहुत अधिक लाभप्रद नहीं है। जहां लघु पत्र–पत्रिकाएं भारी वित्तीय अधिभार के कारण बन्दी के कगार खड़ी हैं वहीं पर इस नई दर वृद्धि के लागू हो जाने पर उनकी आर्थिक स्थिति में आंशिक सुधार आएगा जिससे वह सत्य निष्ठ होकर जनहित में कार्य कर सकेंगे। प्रदेश अध्यक्ष महाराष्ट्र –अरविंद शर्मा।

सूचना मंत्रालय भारत सरकार का अतिसराहनीय कदम विज्ञापन दरों में वृद्धि से लघु एवं मध्यम समाचार–पत्र– पत्रिकाओं को नया जीवनदान मिलेगा, विज्ञापन नीति में भी पारदर्शिता लाने की जरूरत– अरुण कुमार सोनकर – राष्ट्रीय सलाहकार–भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ

नई दरें लघु समाचार पत्रों की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में सहायक– वरिष्ठ सदस्य –देवेन्द्र त्रिपाठी

सरकार ने अखबार के सरकारी विज्ञापन दरों में बढ़ोत्तरी कर उनके अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का काम किया है जिसके लिए हम उनके प्रति आभार व्यक्त करते हैं– अरविंद पाण्डेय –प्रकाशक ।

नई दरों से समाचार पत्र के संचालन में अब कठिनाइयां कम होंगी लेकिन भारत सरकार को छोटे और मझौले समाचार पत्र के विज्ञापन पर भी जोर देना चाहिए। फिलहाल इसका हम स्वागत करते है : कुश द्विवेदी –प्रकाशक सदस्य

नई दिल्ली। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा सरकारी विज्ञापनों की दरों में वृद्धि किए जाने पर अखिल भारतीय समाचार पत्र एसोसिएशन ने केंद्र सरकार का सराहनीय एवं स्वागत योग्य निर्णय बताया। देशभर के प्रकाशक, कतिपय एसोसिएशन कई वर्षों से दरों के पुनरीक्षण की मांग कर रहे थे। अखिल भारतीय समाचार–पत्र एसोशिएशन द्वारा भी अनेकों बार दर बढ़ोतरी हेतु केन्द्रीय सूचना प्रसारण मंत्रालय को प्रत्यावेदन दिये गये।

एसोसिएशन के पदाधिकारियों में प्रमुख सर्वश्री राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश चंद्र शुक्ल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आशीष कुमार शर्मा, महाराष्ट्र के प्रदेश अध्यक्ष महाराष्ट्र अरविंद शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष उत्तर प्रदेश संजय चतुर्वेदी, महासचिव कमल श्रीवास्तव,वरिष्ठ सदस्य देवेंद्र त्रिपाठी ने एक संयुक्त बयान में कहा है कि विज्ञापन दरों में यह वृद्धि विशेषकर लघु व मध्यम समाचार पत्रों की अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करेगी तथा मीडिया प्रतिस्पर्धा में सहायक होगी लेकिन विज्ञापन में प्रतिशत भी तय किया जाना आवश्यक है।उन्होंने केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव की दूरदर्शी पहल के लिए धन्यवाद भी ज्ञापित किया। कतिपय विंदुओं पर पुनर्विचार करने की आवश्यकता है। साप्ताहिक और मासिक समाचार पत्रों में यह वृद्धि पच्चीस प्रतिशत के आंकड़े में नहीं है और मासिक में तो पूर्व दर से कम दर निध ारित कर दी गई है। यह आश्चर्यजनक ही नहीं घोर आपत्तिजनक है। इसलिए इस विन्दु पर पुनर्विचार करना अत्यन्त आवश्यक है। यह भी उल्लेखनीय है कि सी बी सी द्वारा कई वर्षों से लघु समाचार पत्रों का विज्ञापन ही बंद कर दिया गया है यहां तक कि राष्ट्रीय पर्वों पर विज्ञापन जारी न करने के इस गम्भीर विषय पर सम्यक विचारोपरांत इनके हित संरक्षण के लिए एक प्रभावी यथोचित आदेश की अपेक्षा है अन्यथा इन दरों में वृद्धि का क्या मतलब होगा ? जब विज्ञापन ही नहीं मिलना है तो यह वृद्धि निरर्थक होने के साथ ही एक गम्भीर एवं चिंता जनक विषय है।

उल्लेखनीय है कि प्रिंट मीडिया में सरकारी विज्ञापनों की नई दरें 9वीं दर संरचना समिति की सिफारिशों के आध ार पर तय की गई हैं। समिति ने विभिन्न समाचार पत्र संगठनों से विचार–विमर्श कर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की थी।

नई दरें प्रिंट मीडिया के इकोसिस्टम को मजबूत करेंगी तथा लघु–मध्यम समाचार पत्रों को प्रत्यक्ष लाभ पहुंचाएंगी। समिति ने आरएनआईध्एबीसी द्वारा प्रसार सत्यापन तथा जीएसटी पंजीकृत प्रकाशनों को 25 प्रतिशत अतिरिक्त दर देने का भी प्रावधान सुझाया है।

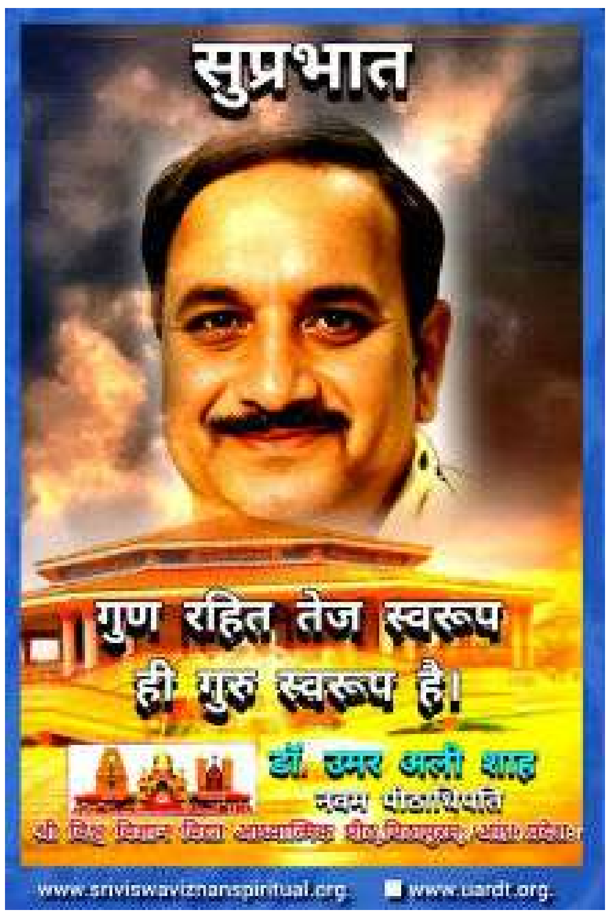

प्यारी है गुलदाउदी

प्यारी है गुलदाउदी, आकर्षक इतिहास।
चीनी जिसको 'चूश कहें, फूल बहुत बिंदास।
फूल बहुत बिंदास, जड़ो से बने दवाएँ।
पंखुड़ियों के साथ, टहनियों को भी खाएँ।
सुन लो कहें प्रदीप, सभी से करके यारी।
पहुँची देश–विदेश,बनी यह सबकी प्यारी।।

कहते चीनी दार्शनिक, किस्सा है प्राचीन।
फूलों में गुलदाउदी, लगती अति रंगीन।
लगती अति रंगीन, जिसे 'चूश कहते चीनी।
कोमल मधुर सुगन्ध, रखे जो भीनी–भीनी।
सुन लो कहें प्रदीप, जहाँ पर हैं यह रहते।
बस्ती गुलदाउदी, शहर 'चू–ह्सियनश कहते।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

अखण्ड आर्यावर्त आर्य महासभा 6 दिसम्बर को

श्रीकृष्ण जन्मभूमि पर मनाएगा शौर्य दिवस

लखनऊ, संवाददाता। अखण्ड आर्यावर्त त्रिदंडी महासभा ने आगामी छह दिसम्बर को श्रीकृष्ण जन्मभूमि मथुरा में शौर्य दिवस मनाने की घोषणा की है। आज यहां कुर्सी रोड स्थित संगठन के मुख्यालय में राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी ने शौर्य दिवस की जानकारी देते हुए बताया कि छह दिसम्बर को संगठन के कार्यकर्ता श्रीकृष्ण जन्मभूमि पहुंचकर देहरी पूजन के साथ जलाभिषेक कर शौर्य दिवस मनायेगें। श्री त्रिवेदी ने बताया कि शौर्य दिवस कार्यक्रम की सफलता के लिये तैयारियां शुरू करने के साथ ही संगठन के सभी इकाइयों के अध्यक्षों को निर्देशित कर दिया गया है कि अधिक से अधिक कार्यकर्ताओं के साथ मथुरा पहुंचे। इसके अलावा हिन्दू जनमानस से भी आग्रह किया गया है कि शांतिपूर्ण ढंग से होने जा रहे इस धार्मिक आयोजन में सम्मिलित हो। कार्यक्रम के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुये श्री त्रिवेदी ने बताया कि अखण्ड आर्यावर्त त्रिदंडी महासभा सहित विभिन्न हिन्दूवादी संगठनों के कार्यकर्ताओं का पांच दिसंबर से मथुरा पहुंचना शुरू हो जाएगा और अगले प्रातः नौ बजे श्रीकृष्ण जन्मभूमि पर सभी कार्यकर्ता पहुंचकर देहरी पूजन के साथ श्रीकृष्ण जन्मभूमि पर जलाभिषेक कर शौर्य दिवस मनायेगें। वहीं दूसरी ओर शौर्य दिवस की घोषणा होने के साथ प्रदेश अध्यक्ष चंद्रमौलि शुक्ला ने संगठन के विभिन्न इकाइयों के अध्यक्षों और महामंत्री की बैठक बुलायी है, ताकि कार्यक्रम को सफलतापूर्वक मनाने के लिये रणनीति तैयार की जा सके।

एसआईआर में शिथिलता बर्दाश्त नहीं : डीएम

तीन बीएलओ सस्पेंड, 82 का रोका वेतन

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ के पड़ोसी जिला बाराबंकी में चल रहे विशेष प्रगाढ़ मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान–2026 एसआईआर की समीक्षा करते हुए डीएम,जिला निर्वाचन अधिकारी शशांक त्रिपाठी ने निर्वाचन कार्य में लापरवाही पाए जाने पर कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने साफ कहा,लापरवाही कतई बर्दाश्त नहीं कि जायेगी। ड्यूटी के प्रति उदासीनता, गणना प्रपत्रों के वितरण में लापरवाही तथा निर्वाचन आयोग के निर्देशों की अवहेलना के मामलों पर गंभीर चिंता और नाराजगी जताई। डीएम के निर्देश पर 3 बीएलओ को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया और 82 बीएलओ का वेतन अग्रिम आदेश तक रोकने के निर्देश जारी किए गए हैं।डीएम ने कहा कि "निर्वाचन कार्य राष्ट्रीय दायित्व है। इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं। आवश्यकता पड़ने पर निलंबन से लेकर विभागीय कार्रवाई तक की जाएगी।"विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान में ड्यूटी में रुचि न लेने और लापरवाही बरतने पर तीन बीएलओ निलंबित किए गए हैं। सीमा वर्मा स.अ.पूर्व माध्यमिक विद्यालय बड़ागांव विकासखंड मसौली, देवाशीष स.अ. कम्पोजिट विद्यालय कमियार, विकासखंड पूरेडलई और अनीता रावत स.अ. प्राथमिक विद्यालय बघौरा, विकासखंड मसौली को सस्पेंड किया गया है।इसके साथ ही 20 शिक्षामित्र,44 सहायक अध्यापक तथा 18 अनुदेशक का भी वेतन भी रोक दिया गया है। डीएम शशांक त्रिपाठी ने मतदाताओं से अपील की है कि "मतदाता गणना प्रपत्र को सही–सही भरकर समय पर संबंधित बीएलओ को अवश्य जमा करें,जिससे किसी पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची से न छूटे।"उन्होंने जनप्रतिनिधियों, पर्यवेक्षकों और सभी बीएलओ से भी अभियान को सफल बनाने के लिए पूर्ण सहयोग देने की अपेक्षा की है।

यूपी सरकार ने शुरू की नई हेल्पलाइन

एक कॉल पर होगा नगरीय समस्याओं का समाधान

लखनऊ, संवाददाता। आपके घर के बाहर नाली गंदगी से भरी हो, कई दिनों से सफाई न हुई हो या सड़क पर लंबे समय से झाड़ू न लगा हो, तो अब परेशान होने की जरूरत नहीं है। उत्तर प्रदेश सरकार के नगर विकास विभाग ने ऐसी सभी समस्याओं के समाधान के लिए नई हेल्पलाइन शुरू की है। विभाग केआधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर जारी जानकारी के अनुसार अब सफाई, जलभराव, स्ट्रीट लाइट और कूड़ा कलेक्शन जैसी समस्याएँ केवल एक कॉल पर दर्ज कराई जा सकती हैं।नगर विकास विभाग के मुताबिक शहर से जुड़ी हर समस्या के लिए अब हेल्पलाइन नंबर 1533 पर संपर्क किया जा सकता है। जल भराव, पथ प्रकाश, स्वच्छता, कर भुगतान या डोर–टू–डोर कूड़ा कलेक्शन इन सभी शिकायतों का समाधान इसी नंबर के माध्यम से किया जाएगा। शएक नंबर, कई समाधानश की नीति के तहत सेवा शुरू की गई है।

गंगानाथ झा परिसर में राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह एवं हिन्दी पखवाड़ा सम्पूर्ति कार्यक्रम का आयोजन

प्रयागराज। गंगानाथ झा परिसर में आज दिनांक 20–11–2025 को राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह एवं हिन्दी पखवाड़ा सम्पूर्ति कार्यक्रम आयोजन परिसर के मुख्य सभागार में सम्पन्न हुआ। समापन समारोह की अध्यक्षता परिसर के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी ने की। कार्यक्रम को सहनिदेशक प्रो. देवदत्त सरोदे, प्रो. अपराजिता मिश्रा ने भी अपनी गरिमामयी उपस्थिति से लाभान्वित किया। राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह का समापन उद्घोषणा करते हुए पुस्तकालय प्रभारी डॉ. श्याम सुन्दर पाण्डेय ने परिसर में सप्ताह पर्यन्त प्रदर्शित होने वाली दुर्लभ हस्तलिखित ग्रन्थों को देखने एवं समझने का एक अविस्मरणीय अनुभव बताते हुए इस कार्यक्रम के अन्तर्गत आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं की घोषणा भी की। राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह कार्यक्रम के अन्तर्गत कर्मयोगी सम्मान मातृशक्ति पुरस्कार क्रमशः सुश्री अश्विनी लंके, श्रीमती अंजू मिश्रा एवं सुश्री मंजू देवी को तथा श्रेष्ठ कर्मयोगी सम्मान पुरुष वर्ग श्री शैलेन्द्र पाण्डेय,डॉ. विपिन द्विवेदी, श्री अर्जुन मण्डल तथा श्री रामसिंह को प्रदान किया गया। श्रेष्ठ पाठक सम्मान (शोध छात्रध्छात्रा वर्ग) का सम्मान नम्रता शुक्ला, अंकिता तिवारी एवं प्रभाकर शर्मा को प्राक्शोध वर्ग का सम्मान माधवी त्रिपाठी, कुशाग्र तथा जितेन्द्र पाठक को प्रदान किया गया। परास्नातक वर्ग का सम्मान गौरव त्रिपाठी, सौरभ त्रिपाठी, नीलेश शुक्ल, अमन मिश्र तथा सुचिता को प्रदान किया गया। प्राक्शोध ग्रन्थ समीक्षा प्रतियोगिता का प्रथम पुरस्कार आशीष जोशी, द्वितीय पुरस्कार माधवी त्रिपाठी, तृतीय पुरस्कार सुमित,सान्त्वना पुरस्कार शिवप्रसाद शुक्ल एवं श्री नरेश कुमार को प्राप्त हुआ। परास्नातक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार गौरव त्रिपाठी, द्वितीय पुरस्कार विकास, तृतीय पुरस्कार शाश्वत एवं सान्त्वना पुरस्कार सौरभ तथा अजय कुमार को प्राप्त हुआ।

इसी कार्यक्रम में हिन्दी पखवाड़ा कार्यक्रम का औपचारिक समापन कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। परिसर के राजभाषा अधिकारी प्रभारी श्री राजेशकान्त तिवारी ने हिन्दी पखवाड़ा कार्यक्रम के अन्तर्गत आयोजित कार्यक्रमों का विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुये परिसर में राजभाषा के अधिकतम उपयोग एवं सम्वर्धन के लिए किये जा रहे आवश्यक उपायों से परिचित कराया। उन्होंने हिन्दी पखवाड़ा कार्यक्रम के अन्तर्गत आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं की घोषणा करते हुए परिसर के समस्त अधिकारियों, कर्मचारियों द्वारा हिन्दी के अधिकतम उपयोग के लिये उनके प्रयासों की भूरि भूरि प्रशंसा की।

हिन्दी पखवाड़ा कार्यक्रम के अन्तर्गत भाषण प्रतियोगिता में परिसर की वरिष्ठ लिपिक सुश्री शालू कुमारी को प्रथम, सुश्री ज्योति को द्वितीय एवं श्री अभिषेक कुमार को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। हिन्दी श्रुत लेखन प्रतियोगिता में सुश्री शालू को प्रथम, डॉ. विपिन द्विवेदी को द्वितीय एवं सुश्री सोनाली को तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। इसी प्रकार टिप्पणी लेखन एवं प्रतिवेदन लेखन प्रतियोगिता में डॉ. विपिन द्विवेदी को प्रथम, शालू कुमारी को द्वितीय एवं राजीव कुमार को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। परिसर के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी ने भौतिक पुस्तकालयों की उपयोगिता का विशेष वर्णन किया। उन्होंने आज के डिजिटल युग में भी भौतिक पुस्तकों के अध्ययन से प्राप्त ज्ञान को स्थाई एवं अधिक प्रभावी बताया। अपने सारगर्भित वक्तव्य में उन्होंने हिन्दी को सभी भारतीय भाषाओं से सामंजस्य रखने वाली भाषा बताया। इस अवसर पर हिन्दी पखवाड़ा कार्यक्रम के अन्तर्गत सम्पन्न हुये विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रशस्ति पत्र एवं प्रतीक चिह्न भेंट किये गये। उन्होंने समस्त प्रतिभागियों एवं विजेताओं को पुरस्कार प्रदान करते हुए उनके हिन्दी के प्रति समर्पण की मुक्त कण्ठ से प्रशंसा की। हिन्दी को राष्ट्रभाषा बनाने के लिए विशेष प्रयास की आवश्यकता बताते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु सभी के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने पुस्तकालय को आत्मशक्ति के संवर्धन का केन्द्र बताते हुए अधिक से अधिक पठन पाठन को स्वस्थ एवं प्रगतिशील जीवन का आधार बताया। पुरस्कार वितरण में प्रो. देवदत्त सरोदे, प्रो. अपराजिता मिश्रा भी सम्मिलित रहे। कार्यक्रम में डॉ. सुरेश पाण्डेय, डॉ. अंजनी कुमार पुण्डरीक, श्री संजय कुमार मिश्र के साथ साथ परिसरीय समस्त अधिकारी, कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

राजेशकान्त तिवारी
मीडिया प्रभारी
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज।

2036 तक हिमविहीन हो जायेगा आर्कटिक क्षेत्र : प्रो. पाण्डेय

प्रयागराज। इलाहाबाद डिग्री कॉलेज, कीडगंज परिसर, में भूगोल विभाग द्वारा विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। प्रमुख वक्ता के रूप में भूगोल विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. अनुपम पाण्डेय नें "पिघलते ध्रुवीय हिमशिखर वैश्विक पर्यावरणीय चेतना का जागरण" विषय पर अत्यंत सागगर्भित व ज्ञानवर्द्धक व्याख्यान दिया। दृश्य सामग्री व विषयगत अनुभागों के माध्यम से प्रो. पाण्डेय नें ग्लेशियर, हिम–रेखा, महाद्वीपीय हिमनद, आइसशेल्फ, हिमखंड, जैसी अवधारणाओं की व्याख्या की व स्पष्ट किया कि आर्कटिक क्षेत्र विशेष रूप से क्यों अधिक संवेदनशील है। इस व्याख्यान में फाइटोप्लांकटन, समुद्री प्रजातियों, मछली की आबादी और अंततः मानव खाद्य आपूर्ति को प्रभावित करने वाले क्रमिक पारिस्थितिक परिणामों पर भी चर्चा की गई। नेशनल ज्याग्राफिक पत्रिका के संदर्भ से प्रो. पाण्डेय नें बताया कि वर्ष २०३६ तक आर्कटिक क्षेत्र पर हिमविहीन होने का संकट मंडरा रहा है, फलस्वरूप ध्रुवीय भालूओं के विलुप्त होने का संकट है। प्रो. पाण्डेय नें अपने व्याख्यान में जलवायु परिवर्तन के फलस्वरूप ध्रुवीय हिमखंडो व स्थलीय–जलीय पारिस्थितिक तंत्रों पर पड़ रहे प्रभावों पर चर्चा की, साथ ही उन्होनें इस परिघटना के वैश्विक सामाजिक–आर्थिक–पर्यावरणीय व भूराजनैतिक प्रभावों की व्याख्या की।

इस कार्यक्रम के अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. अतुल कुमार सिंह ने मानव–पर्यावरण सम्बन्धों के समन्वय पर बल व विद्यार्थियों को गांधीवाद से सीख लेने की प्रेरणा दी। भूगोल विभाग के समन्वयक प्रो. सुनील कुमार त्रिपाठी नेंअतिथियों का स्वागत किया व एवं विषय की भूमिका प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संचालन डॉ अंकुर श्रीवास्तव व धन्यवाद ज्ञापन प्रो. श्रीप्रकाश सिंह द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम के आयोजन में भूगोल विभाग के डॉ गिरीश कुमार, डॉ आशुतोष मिश्र, डॉ जितेन्द्र कुमार जायसवाल, डॉ दुर्गेश सिंह, व डॉ सत्यम् मिश्र नें महत्वपूर्ण योगदान किया। इस विशेष व्याख्यान में महाविद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक प्रो. दिनेश कुमार श्रीवास्तव, प्रो. राजेन्द्र कुमार त्रिपाठी, प्रो. मीरा सिंह, प्रो. आनंद कुमार, प्रो. मार्तंड सिंह, प्रो. संजय सिंह, प्रो. तनुजा त्रिपाठी, प्रो. अरविंद मिश्र, श्री नरेन्द्र बाजपेयी, अन्य शिक्षकगण तथा छात्र–छात्राओं नें बड़ी संख्या में प्रतिभाग किया।

भारत की जनगणना-2027 के प्रथम चरण-मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना के पूर्व परीक्षण (प्री-टेस्ट) का कार्य 10 से 30 नवंबर, 2025 के मध्य नगर निगम प्रयागराज के चयनित जोन 2, 4 एवं 8 में संचालित किया जा रहा है।

प्रयागराज। आज दिनांक 20 नवंबर, 2025 को श्रीमती शीतल वर्मा (IAS), निदेशक, जनगणना कार्य निदेशालय, उत्तर प्रदेश ने प्रयागराज नगर निगम के जोन 8 में प्री–टेस्ट कार्यों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने क्षेत्र का भ्रमण कर प्रगणक एवं पर्यवेक्षकों द्वारा सूचीबद्ध कुछ मकानों का दौरा किया तथा मोबाइल ऐप के माध्यम से किए जा रहे डेटा संग्रहण की गुणवत्ता और कार्यप्रणाली की समीक्षा की। उन्होंने फील्ड में आ रही तकनीकी एवं प्रचालन संबंधी समस्याओं की जानकारी प्राप्त कर उनके त्वरित समाधान के निर्देश दिए ।

निदेशक महोदया ने प्रगणक एवं पर्यवेक्षकों को प्रोत्साहित करते हुए सभी कार्य निर्धारित समय–सीमा के भीतर पूर्ण करने पर बल दिया तथा संबंधित अधिकारियों को फील्ड कार्य में आवश्यक सहयोग सुनिश्चित करने के निर्देश प्रदान किए ।

निरीक्षण के दौरान श्री राजीव शुक्ला, अपर नगर आयुक्तय श्री सुदर्शन चंद्रा, जोनल अधिकारी (जोन 8)/चार्ज अधिकारीय श्री एस. एस. शर्मा, संयुक्त निदेशकय श्री हेमंत वर्मा, उप निदेशक तथा श्री रितुल कमल, जनगणना निदेशालय उपस्थित रहे।

लखनऊ कोर्ट में राहुल गांधी पर मुकदमे पर रोक बढ़ी,भारत जोड़ो यात्रा में आर्मी पर किया था कमेंट

लखनऊ, संवाददाता। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ लखनऊ की अदालत में चल रहे मानहानि मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल कोई ढील नहीं दी है। कोर्ट ने अपने अंतरिम आदेश को बरकरार रखते हुए मुकदमे की कार्यवाही पर लगी रोक 4 दिसंबर 2025 तक बढ़ा दी है। मामला 2022,23 में भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राहुल गांधी के भारतीय सेना को लेकर कथित तौर पर दिए गए बयान से जुड़ा है। उसके आधार पर उनके खिलाफ लखनऊ में आपराधिक मानहानि का केस दर्ज किया गया था। महत्वपूर्ण सुनवाई के दौरान जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की बेंच ने मामले की सुनवाई को स्थगित करते हुए कहा कि अंतरिम रोक जारी रहेगी। अदालत ने साफ किया कि अगली सुनवाई अब 4 दिसंबर 2025 को होगी। तब तक राहुल गांधी के खिलाफ लखनऊ की अदालत में चल रही कोई भी कार्यवाही आगे नहीं बढ़ाई जाएगी। सुप्रीम कोर्ट इससे पहले 4 अगस्त को भी इस केस में बड़ा हस्तक्षेप कर चुका है, जब उसने राहुल गांधी के खिलाफ आपराधिक मानहानि की ट्रायल प्रक्रिया को रोकते हुए कहा था कि मामले की पृष्ठभूमि और बयान के संदर्भ की कानूनी जांच जरूरी है।

सम्पादकीय........

नाबालिगों के अपराध

हाल ही में, दिल्ली के विजय विहार इलाके में लूट का विरोध करने वाले एक ऑटो चालक की निर्मम हत्या में पांच नाबालिगों की गिरफ्तारी गंभीर चिंता बढ़ाने वाली है। देश में नाबालिगों के बालिगों की तर्ज पर गंभीर अपराधों को अंजाम देने की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। वहीं दिल्ली की घटना में गिरफ्तार किशोरों की स्वीकारोक्ति डराने वाली है कि वे नशे के आदी हैं और पैसे जुटाने के लिये लूटपाट जैसे अपराधों में लिप्त रहते हैं। यह घटना हमारे समाज में पनप रही विकृतियों की ओर इशारा कर रही है। साथ ही यह भी संकेत कि अब वक्त आ गया है कि किशोर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिये सख्त कानूनों के प्रावधान हों। इसकी वजह यह है कि किशोरों को अपराध करने के बाद सामान्य जेलों में रखने के बजाय बाल सुधार गृहों में भेज दिया जाता है। लेकिन बाल सुधार गृहों में रहने के दौरान भी ऐसे अपराधी किशोरों में बड़ा बदलाव नजर नहीं आता। अक्सर देखा जाता है कि बाल सुधार गृहों में रहने की सीमित अवधि के बाद कई किशोर फिर अपराधों की दुनिया में उतर जाते हैं। समाज विज्ञानियों का मानना है कि किशोर अपराधों को लेकर कानून के अस्पष्ट और लचर होने की वजह से भी दोषियों को दंडित नहीं किया जा सकता। अक्सर कहा जाता है कि नाबालिगों की सजा के मामले में अभियुक्त की उम्र को घटा दिया जाए। दरअसल, बदलते परिवेश में समय से पहले किशोरों में वयस्कों की नकारात्मक प्रवृत्तियां पनपने लगी हैं। जिसके चलते वे बड़ों के जैसे अपराध तो करते हैं। लेकिन उन्हें उस अनुपात में सजा नहीं दी जा सकती। वैसे यह भी हकीकत है कि किशोरों के सामने लंबा भविष्य होता है। यदि परिस्थितिवश या मजबूरी में वे कोई अपराध करते हैं तो उन्हें सुधरने का मौका दिया जाना चाहिए। वैसे भी दंड का अंतिम उद्देश्य व्यक्ति में सुधार ही होता है। दरअसल, इस तथ्य पर भी विचार करने की जरूरत है कि यदि किशोर सजा काटने के बाद भी लगातार अपराध की दुनिया में सक्रिय रहते हैं तो उसके लिये दंड के सख्त प्रावधान होने चाहिए। वहीं, अपराध के मूल में आर्थिक विषमताएं भी हैं, जिसके चलते वे पढ़–लिख नहीं पाते हैं। लेकिन हाल के वर्षों में तमाम सामाजिक विद्रूपताएं भी किशोर मन में नकारात्मक प्रभाव डाल रही हैं। जैसेकि दिल्ली की घटना में लिप्त किशोरों ने स्वीकारा कि वे नशे के आदी हैं, यह घटना हमारे समाज में नशे के नासूर से उपजे संकट की ओर इशारा करती है। ऐसे में नशे पर अंकुश के साथ ही उन सामाजिक विसंगतियों पर नजर रखने की जरूरत है जो किशोर मन के भटकाव को जन्म देती हैं। दूसरा संकट भारतीय समाज में जीवन मूल्यों का तेजी से होता पराभव भी है। किशोरों को नैतिक शिक्षा का पाठ सही ढंग से न स्कूलों में मिल पा रहा है और न ही घरों में। इस संकट का एक बड़ा पहलू इंटरनेट पर जहरीली व अश्लील सामग्री की प्रचुरता भी है। अक्सर किशोरों व वयस्कों के अपराधों के कारण जानने पर पता चला कि उन्होंने इंटरनेट पर अश्लील सामग्री देखने के बाद यौन हिंसा को अंजाम दिया। ऐसे में बच्चों को संस्कार स्कूल और घर के बजाय मोबाइल से मिल रहे हैं। इंटरनेट पर प्रसारित आपत्तिजनक सामग्री को कौन और किस उद्देश्य से डाल रहा है, कहना कठिन है। लेकिन इतना तय है कि सोशल मीडिया व इंटरनेट से जुड़े विभिन्न माध्यमों में परोसी जा रही विषैली सामग्री बाल मन पर बुरा असर डाल रही है। ऐसे में नशा, अश्लीलता और अपराध उन्मुख कार्यक्रम किशोरों को अपराध की गलियों में गुजरने के लिए उकसा रहे हैं। बहरहाल, अब समय आ गया है कि नीति–नियंताओं को विचार करना चाहिए कि हत्या–बलात्कार जैसे जघन्य अपराधों में लिप्त किशोरों के लिये कैसे कानून बनें। निश्चय ही कानून का मकसद किसी अपराधी में सुधार ही होना चाहिए। लेकिन इस छूट को सजा से छूट का हथियार बनने देने से भी रोकना चाहिए। अन्यथा किशोरों के अपराधों का सिलसिला बेकाबू हो सकता है।

पी के की उलझन भरी राजनीति

डॉ. दीपक पाचपोर

भाजपा यह अच्छे से जानती थी कि लोकसभा चुनावों के बाद इंडिया गठबंधन के उठाए मुद्दे जनता को प्रभावित करने लगे हैं। खासकर संविधान बचाने और जातिगत जनगणना, आरक्षण की सीमा बढ़ाने जैसे मुद्दे बिहार में निर्णायक भूमिका अदा कर सकते हैं।

बिहार विधानसभा चुनाव में करारी शिकस्त खाने के बाद इंतजार था कि अब प्रशांत किशोर राजनीति में किस दिशा में बढ़ते हैं। मंगलवार को एक प्रेस कांफ्रेंस कर पी के ने स्पष्ट कर दिया है कि वे न बिहार छोड़ने वाले हैं, न राजनीति। यह जाहिर भी था। भले ही प्रशांत किशोर ने पहले ऐलान किया हो कि अगर जनता दल (यूनाइटेड) ने चुनाव में 25 से ज्यादा सीटों पर जीत दर्ज की तो वह राजनीति छोड़ देंगे। लेकिन अब जेडीयू ने पी.के. के दावों से तिगुने से अधिक 85 सीटें जीती हैं। तो सवाल उठने लगे कि क्या अब पी. के. राजनीति को अलविदा कह देंगे। इसका जवाब उन्होंने अपनी प्रेस कांफ्रेंस में दे दिया कि मैं उस बात पर बिल्कुल कायम हूं। अगर नीतीश कुमार की सरकार ने ये वोट नहीं खरीदे हैं, तो मैं राजनीति से संन्यास ले लूंगा। पी.के. की पार्टी ने महिलाओं के खाते में 10 हजार देने को घूस भी बताया है। एक पत्रकार ने उनसे सवाल किया कि जब आपने ये बयान दिया था, तब ये शर्तें क्यों नहीं बताई थीं? इस पर प्रशांत किशोर ने कहा, मैं किस पद पर हूं कि इस्तीफा दे दूं? मैंने ये तो नहीं कहा था कि बिहार छोड़कर चले जाऊंगा। मैंने राजनीति छोड़ रखी है, राजनीति कर ही नहीं रहे हैं। लेकिन ये तो नहीं कहा है कि बिहार के लोगों की बात उठाना छोड़ देंगे। इन बातों से जाहिर है कि प्रशांत किशोर की राजनीति भी उनकी बातों की तरह उलझाने वाली है। जिसमें कोई स्पष्टता नहीं है और कभी भी अपने कहे से पलटने की गुंजाइश है। आखिर मौजूदा दौर में इस तरह के राजनेता ही सफल भी हो रहे हैं। जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने यह भी कहा कि इसाढ़े तीन साल पहले वे व्यवस्था परिवर्तन के लिए आए थे, लेकिन सफलता नहीं मिली। न तो सत्ता परिवर्तन कर सका और न ही व्यवस्था, लेकिन बिहार की राजनीति को जरूर प्रभावित किया है। बिहार की राजनीति को किस आधार पर प्रभावित करने की बात प्रशांत किशोर कह रहे हैं, यह अब भी स्पष्ट नहीं है। क्योंकि प्रभाव पड़ता है, तो जमीन पर दिखता है। फिलहाल तो बिहार में यथास्थिति ही कायम है। ज्यादा से ज्यादा मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के नाम बदल सकते हैं, लेकिन सत्ता पहले भी भाजपा के हाथों में थी और अब तो दोगुनी ताकत के साथ आ चुकी है। शायद प्रशांत किशोर की राजनीति, साढ़े तीन साल पहले की गई उनकी पदयात्रा, बिहार चुनाव में 238 सीटों पर अपने उम्मीदवारों को उतारने की रणनीति, चुनाव प्रचार में सत्तारुढ़ गठबंधन के साथ–साथ विपक्ष को भी निशाने पर लेना, ये सब भाजपा की दबी–छिपी मदद के ही तरीके थे। भाजपा यह अच्छे से जानती थी कि लोकसभा चुनावों के बाद इंडिया गठबंधन के उठाए मुद्दे जनता को प्रभावित करने लगे हैं। खासकर संविधान बचाने और जातिगत जनगणना, आरक्षण की सीमा बढ़ाने जैसे मुद्दे बिहार में निर्णायक भूमिका अदा कर सकते हैं। इसलिए प्रशांत किशोर को आगे बढ़ाकर इन मुद्दों के बरक्स विकास और वंशवादी राजनीति के खिलाफ नैरेटिव तैयार किया गया। याद कीजिए कि प्रशांत किशोर के भाषणों में लालू प्रसाद के साथ–साथ तेजस्वी यादव पर भी हमला होता था, खासकर उनकी शैक्षणिक योग्यता पर पी. के. हमलावर होते थे। पी.के. की तरह ही असदुद्दीन ओवैसी और मायावती भी महागठबंधन के लिए वोट काटने वाले साबित हुए। चुनाव में प्रशांत किशोर ने दावा किया था कि उनकी पार्टी श्या तो अर्श पर होगी या फर्श पर होगी। नतीजे तो बता रहे हैं कि पार्टी फर्श पर आ गई है। एक भी सीट न जीतना और कई पर जमानत जब्त होना किसी सफल पार्टी के लक्षण नहीं हैं। और यह भी कोई नियम नहीं है कि चुनावी राजनीति में पहली बार ही सफलता मिल जाए। एक वक्त में भाजपा भी महज दो संसदीय सीटों वाली पार्टी थी। लेकिन उसकी विचारधारा स्पष्ट थी कि देश में हिंदुत्ववादी ताकतों को स्थापित करना है, राम मंदिर बनाना है, कश्मीर से 370 खत्म करना है आदि। प्रशांत किशोर की राजनीति में इस स्पष्टता का अभाव है। अगर वे बिहार के विकास की बात करते हैं, पलायन रोककर राज्य में ही लोगों को रोजगार मुहैया कराने और भ्रष्टाचार खत्म करने के मुद्दों के साथ चुनावी राजनीति में उतरे थे, तो यही मुद्दे महागठबंधन के भी थे। फिर उन्होंने आरजेडी या कांग्रेस का विरोध क्यों किया। इसी तरह वे आरक्षण या जाति आधारित व्यवस्था को खत्म करना चाहते हैं तो खुलकर भाजपा का साथ क्यों नहीं दिया। दो गठबंधनों में किसी एक के साथ जाने का विकल्प प्रशांत किशोर के पास था, अब भी है, लेकिन वे बिहार में अरविंद केजरीवाल की तर्ज वाली राजनीति कर रहे हैं। आम आदमी पार्टी ने जिस तरह दिल्ली फिर पंजाब और गोवा में कांग्रेस को नुकसान पहुंचाया, वही काम प्रशांत किशोर ने बिहार में किया। अब भले वे अपनी हार की जिम्मेदारी ले रहे हैं और कह रहे हैं कि मैं लोगों का विश्वास नहीं जीत पाया, यह हमारी सामूहिक हार है। लेकिन समझ आ रहा है कि यह असल में भाजपा की जीत है। वैसे प्रशांत किशोर ने यह भी कहा कि जनता ने अपने लिए रास्ता चुना है। अब नीतीश जी और भाजपा की जिम्मेदारी बनती है कि वो सुधार करें। बिहार से पलायन बंद हो। अगर ऐसा होता है तो हमें राजनीति करने की जरूरत ही नहीं पड़ेगी। प्रशांत किशोर यह भी कह रहे हैं कि शजिन नेताओं पर हमने आरोप लगाया है, उनके खिलाफ लगाए आरोपों से पीछे नहीं हटेंगे। भारतीय जनता पार्टी और नीतीश कुमार ऐसा मंत्रिमंडल बनाएं, जिसमें भ्रष्टाचार करने वाले को शामिल नहीं किया जाए। जनता ने सत्ता में बैठकर लूटने का जनादेश नहीं दिया है। एक तरफ पी.के. घूस देकर जीतने के आरोप एनडीए पर लगा रहे हैं और दूसरी तरफ साफ छवि वाले विधायकों को मंत्री बनाने की सलाह दे रहे हैं।

क्या चुनाव बॉयकॉट की नौबत आ पहुंची है?

योगेन्द्र यादव

बिहार चुनाव के परिणाम के बाद बहुत साथियों ने मुझसे यह सवाल पूछा – अब चुनाव लड़ने का मतलब ही क्या बचा है? अगर हर चुनाव में ले देकर भाजपा को ही जिताया जाएगा और विपक्ष का सूपड़ा साफ ही किया जाएगा, तो ऐसे चुनाव में हिस्सा लेकर उसे वैधता प्रदान करने का क्या फायदा? क्यों नहीं विपक्ष चुनावों का बॉयकॉट ही कर देता? मैं उनकी राय से सहमत नहीं था। लेकिन उनके सवाल गंभीर हैं। सवाल पूछने वाले अधिकांश सामान्य नागरिक, बुद्धिजीवी या फिर कार्यकर्ता हैं, जो किसी दल से नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था और मर्यादा से जुड़े हैं, जो हमारे गणतंत्र के भविष्य के बारे में इंक्षचलित हैं। यह सवाल किसी खाली दिमाग की खुराफाती उपज नहीं है। हमारे लोकतंत्र का लगातार होता क्षय इन लोगों को ऐसे सवाल पूछने पर मजबूर करता है। दुनिया की कई अन्य स्थापित लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं की तरह भारत भी अब ऐसे मुकाम पर पहुंच गया है कि इसे सामान्य लोकतंत्र या कमीबेशी वाला लोकतंत्र भी नहीं कहा जा सकता। यह पुरानी तर्ज वाली तानाशाही भी नहीं है, जिसमें मार्शल लॉ और सैंसरशिप होती थी। 21वीं सदी में अधिनायकवाद का एक नया मॉडल उभरा है, जहां लोकतांत्रिक व्यवस्था की संस्था, मर्यादा और परिपाटी को चौपट कर दिया जाता है लेकिन चुनाव की रस्म बरकरार रखी जाती है। सत्ता को जनता का समर्थन हासिल है, यह दिखाने की मजबूरी चुनावी प्रतिस्पर्धा को जिंदा रखती है। चुनाव विपक्षी दलों के लिए बाधा–दौड़ के समान होता है, जहां उन्हें कदम–कदम पर किसी अड़चन या फिसलन का सामना करना पड़ता है। लेकिन अगर वे इसे पार कर लें तो चुनाव जीत भी सकते हैं। जनता–जनार्दन के अनुमोदन की जरूरत के चलते यह सुनिश्चित करना पड़ता है कि चुनाव एकदम स्वांग न बन जाएं, उन्हें जनमत के आईने की तरह पेश किया जा सके। सरकार के विरोधियों के लिए कोई भी चुनाव जीतना टेढ़ी खीर है, मगर असंभव नहीं। इस हालात में किसी न किसी मोड़ पर यह सवाल सिर उठाता है – इस बाधा–दौड़ में शामिल होने की क्या तुक है? चुनाव का बॉयकॉट कर क्यों नहीं अधिनायकवादी सत्ता पर जनसमर्थन की मुहर लगाने की इस रस्म का पर्दाफाश किया जाए? इस सवाल का जवाब आसान नहीं है। चूंकि चुनाव करवाने का सारा खेल वैधता हासिल करने का है, इसलिए असली मुद्दा यह है कि ऐसे किसी फैसले को जनता कैसे देखेगी। इसे फिक्स्ड मैच को खारिज करने की तरह देखा जाएगा या फिर हारे हुए खिलाड़ी द्वारा पलायन की तरह। इसलिए ऐसे किसी भी फैसले को दो कसौटियों पर कसना होगा। पहली, क्या इस बाधा–दौड़ में जीतने के लिए हर संभव प्रयास हो चुका है? क्या जनता देख रही है कि जनसमर्थन हासिल करने के लिए जो कुछ संभव था, वह विपक्ष सफलतापूर्वक कर चुका है? दूसरा, क्या यह साफ है कि चुनाव परिणाम में धांधली हुई है? क्या जनता समझ रही है कि चुनाव परिणाम जनता की सच्ची भावना का प्रतिनिधित्व नहीं करते? बिहार का चुनाव इन दोनों कसौटियों पर पूरे तरह खरा नहीं उतरता। यानी बिहार चुनाव के आधार पर चुनाव के बॉयकॉट की मांग सही नहीं जान पड़ती। पहले विपक्षी महागठबंधन की चुनावी तैयारी और चुनाव प्रचार को लें। बिहार की राजनीति का जानकार हर शख्स यह जानता है कि विपक्ष के सामने काफी लंबे समय से दो बुनियादी चुनौतियां हैं। एक तो महागठबंधन के मुकाबले एन.डी.ए. का सामाजिक समीकरण ज्यादा मजबूत है। महागठबंधन मुस्लिम–यादव के पक्के तथा रविदास और मल्लाह समाज जैसी जातियों के कच्चे समर्थन पर टिका है जो कुल मिलाकर बिहार के 40–42 प्रतिशत हैं। उधर एन.डी.ए. के पक्ष में अगड़ी जातियों के अलावा कुर्मी, कुशवाहा, पासवान और बड़ी मात्रा में हिंदू अति–पिछड़े भी लामबंद हैं, जिनकी आबादी 50 प्रतिशत से ज्यादा है। चुनाव जीतने के लिए विपक्ष की पहली जिम्मेदारी थी कि वह पिछड़े–दलित–हाशियाग्रस्त समाज और गरीब–गुरबा को एक माला में पिरोने की कोशिश करता और अपने सामाजिक गठबंधन का विस्तार करता। किंतु वह ऐसा नहीं कर पाया। दूसरी तरफ विपक्ष के सामने ए.जे.डी. शासन पर 'जंगल राज' के दाग को मिटाने और प्रदेश के समक्ष एक सार्थक एजेंडा रखने की चुनौती थी। इस मायने में भी महागठबंधन कुछ ठोस और बड़ा नहीं कर पाया। उधर नीतीश कुमार सरकार ने पिछले कई चुनाव से महिलाओं को अपनी तरफ नहीं उतरेगा। बिहार चुनाव के दौरान और उसके बाद चुनाव में धांधली की बहुत शिकायतें आईं। इसमें कोई शक नहीं कि बिहार चुनाव व्यवस्थागत बेईमानी का नमूना था। निर्वाचन सूची से 68 लाख नाम निकालना और 24 लाख नाम जोड़ना, आचार संहिता लागू होने के बाद महिलाओं को 10,000 रुपए घूस देने की अनुमति देना, उन्हीं 'जीविका दीदियों' को चुनाव एक न्यूनतम अर्थ में चुनावी धांधली के पक्के प्रमाण नहीं हैं। यानी बिहार में इसकी शिकायत तो आई है कि वोट में धांधली हुई, मतदान के आंकड़े बढ़ाए गए और सीटों की संख्या में आश्चर्यजनक बढ़ोतरी हुई, लेकिन इसके पुख्ता सबूत नहीं हैं। ऐसे संवेदनशील सवाल पर बिना सबूत के दावा करना ठीक नहीं है। बाद में और प्रमाण मिल जाएं तो बात अलग है, फिलहाल

झुकाने की कोशिश जारी रखी और महिलाओं के साथ अन्य अनेक वर्गों को चुनाव से पहले पेंशन वृद्धि, मानदेय में बढ़ोतरी और बिजली बिल में कटौती जैसी सौगात देकर अपना पाला मजबूत किया। ऐसे में एन.डी.ए. का जीतना बहुत हैरानी की बात नहीं थी। ऐसे चुनाव के आधार पर चुनाव बॉयकॉट की बात करना बिहार की जनता के गले ड्यूटी देना, भाजपा समर्थकों के लिए अन्य राज्यों से बिहार के लिए विशेष ट्रेन चलवाना, मीडिया का दिन–रात एन.डी. ए. के लिए प्रचार और महागठबंधन के विरुद्ध विषवमन – ये चंद उदाहरण व्यवस्थागत भेदभाव को साबित करने के लिए पर्याप्त हैं। शुरू से आखिर तक चुनाव महागठबंधन के लिए बाधा–दौड़ था। लेकिन फिलहाल महागठबंधन के पक्के समर्थकों के अलावा बहुत लोग यह मानने को तैयार नहीं होंगे कि एन.डी. ए. ने चोरी के आधार पर सरकार बनाई है। अभी की स्थिति में बिहार चुनाव के आधार पर वोट बॉयकॉट की मांग करने से भेड़िया वाली कहानी दोहराए जाने की आशंका है – जब भेड़िया सचमुच आएगा तो कोई यकीन करने को तैयार नहीं होगा।

विकसित भारत 2047: अन्नदाता की अनदेखी नहीं कर सकते

डा. अमृत सागर मित्तल

2047 तक 'विकसित भारत' का लक्ष्य एक बुनियादी सवाल खड़ा करता है कि जब देश आजादी का शताब्दी वर्ष मना रहा होगा, तब हमारे किसानों की सामाजिक–आर्थिक स्थिति कैसी होगी? बीते तीन दशकों से हर वेतन आयोग के साथ सरकारी कर्मचारियों के वेतन–पैंशन में इजाफा देश की बढ़ती आर्थिक ताकत एवं बेहतर जीवनस्तर को दर्शाता है। लेकिन इसके ठीक उलट एक साधारण किसान की आमदनी बढ़ती महंगाई व खेती पर बढ़ती लागत के कारण पिछड़ रही है। नैशनल सैंपल सर्वे आर्गेनाइजेशन (एन.एस.एस.ओ.) के मुताबिक, खेती से जुड़े एक परिवार की मासिक औसत आमदनी मात्र 10,218 रुपए है, जो एक सरकारी कर्मचारी की शुरुआती तनख्वाह के एक चौथाई से भी कम है। आमदनी में गहराती यह खाई केवल किसानों की आर्थिक समस्या नहीं, बल्कि यह एक गंभीर चेतावनी है। इसे अभी नहीं सुलझाया गया, तो हमें दो अलग भारत देखने को मिलेंगे। एक शहरों में चमकता 'विकसित भारत' व दूसरा गांवों में संघर्ष करता 'वंचित भारत'। खेती से आमदनी गुजारे लायक भी नहीं रू भारत की 42 प्रतिशत से अधिक आबादी खेती पर निर्भर है, लेकिन देश की जी.डी.पी. में योगदान 15 प्रतिशत पर अटका है। यह बड़ा अंतर दर्शाता है कि खेती में प्रोडक्टिविटी एवं वैल्यू एडिशन जरूरत मुताबिक नहीं हो रहा। खेती सैक्टर में आधुनिक टैक्नोलॉजी के लिए जी.डी.पी. का मात्र 0.4 प्रतिशत ही आर. एंड डी. पर खर्च हो रहा है, जबकि विकसित देश 1 से 3 प्रतिशत तक निवेश करते हैं। जमीन व जल जैसे प्राकृतिक संसाधन सीमित हैं, औसत खेत के आकार घटकर 1.08 हैक्टेयर रह गए हैं। ऐसे में इनोवेशन आधारित उत्पादकता बढ़ाए बगैर किसान मुश्किल से गुजारे भर की आमदनी पर अटके रहेंगे, जबकि बाकी अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ती जाएगी। सबसिडी से प्रोडक्टिविटी की ओर रू भारत की मौजूदा कृषि नीति का जोर इनपुट सबसिडियों पर है। फर्टिलाइजर, बिजली, सिंचाई, पी.एम. किसान सम्मान निधि, पी.एम. फसल बीमा योजना व अनाज की सरकारी खरीद पर सालाना 4 लाख करोड़ से ज्यादा खर्च के बावजूद ये योजनाएं प्रोडक्टिविटी व टिकाऊ विकास सुनिश्चित नहीं कर पाईं। 4 लाख करोड़ का एक–तिहाई भी आर. एंड डी., कृषि विस्तार सेवाओं और इंफ्रास्ट्रक्चर पर लगाया जाए तो परिणाम बेहतर होंगे। दुनिया के प्रमुख कृषि देश सबसिडी के दम पर नहीं, बल्कि साइंस–टैक्नोलॉजी व संस्थागत सुधारों के कारण समृद्ध हुए हैं। इसराईल ने मरुस्थल में भी सटीक सिंचाई व जल दक्षता के मॉडल से दुनिया की अगुवाई की। हरियाणा से भी छोटा नीदरलैंड्स दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा कृषि उत्पाद निर्यातक देश बना। इसका श्रेय बड़े पैमाने पर कृषि अनुसंधान, डाटा आधारित खेती व उन्नत ग्रीनहाऊस टैक्नोलॉजी को जाता है। चीन ने भी अनुसंधान एवं डिजिटल विस्तार सेवाओं के जरिए ग्रामीण व शहरी आबादी की आमदनी के बीच की खाई कम की है। भारत की एग्री–टैक व्यवस्था अब ड्रोन स्प्रेइंग, मिट्टी मानचित्रण, फार्म–गेट लॉजिस्टिक्स व डिजिटल मंडियों वाले स्टार्टअप्स की दिशा में बढ़ रही है। एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर फंड, डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर फॉर एग्रीकल्चर और पी.एम. किसान ड्रोन योजना का बड़े पैमाने पर विस्तार हो रहा है। 1960 के दशक में जब जापान ने विकास की छलांग लगाई, तो उसकी बुनियाद ग्रामीण इलाकों के आधुनिकीकरण, सर्वसाक्षरता, ग्रामीण सहकारी समितियों और खेती के मशीनीकरण पर टिकी थी। दक्षिण कोरिया ने 1970 के दशक में 'सायमुल आंदोलन' के जरिए गांवों को मजबूत बनाकर औद्योगिक क्रांति की नींव रखी। 'विकसित भारत' का लक्ष्य हासिल करने के लिए ग्रामीण भारत को केवल लाभार्थी नहीं, बल्कि विकास का भागीदार बनाना होगा। पहला, राष्ट्रीय फसल क्षति मुआवजा कोष। फसल बीमा क्लेम की धीमी व विवादित प्रक्रिया के बदले एक पारदर्शी जिला–स्तरीय कोष के जरिए किसानों को बाढ़, सूखे या कीट हमलों की स्थिति में तुरंत राहत दी जा सकती है। पी. एम. फसल बीमा योजना करीब 5 करोड़ किसानों को कवर करती है, पर क्लेम में देरी एवं प्रीमियम विवादों ने ऐसी योजनाओं पर किसानों का भरोसा कमजोर किया है। एक समयबद्ध एवं असरदार फसल मुआवजा सिस्टम भरोसे को कायम कर सकता है। दूसरा, कृषि अनुसंधान में निवेश। कृषि अनुसंधान का 9,000 करोड़ रुपए का बजट इन्नोवेशन के लिए जरूरी राशि का आधा भी नहीं। इस निवेश को देश की जी.डी. पी. के 1 प्रतिशत तक बढ़ाया जाए, तो सूखा–रोधी फसलों की किस्में, बायो–फर्टिलाइजर, जलवायु सहनशील बीज व बेहतर भंडारण जैसे इन्नोवेशन संभव होंगे। कृषि विज्ञान केंद्रों को रियल–टाइम डिजिटल सलाह सेवाओं से जोड़कर सीधे किसानों के स्मार्टफोन तक पहुंचाया जा सकता है। तीसरा, संस्थागत एवं बाजार सुधार। किसान उत्पादक संगठनों (एफ.पी.ओ.) को मजबूत बाजार लिंक मिले, कांट्रैक्ट फार्मिंग में निवेश सुरक्षा का प्रावधान हो, वेयरहाउस रसीद के जरिए बैंकों से किसानों को सस्ता कर्ज मिले तो किसान बढ़े दाम पर फसलें बेच सकेंगे। 'ई–नेम' मार्केट पोर्टल को 'इंटरऑपरेबल' मंच बनाया जाए, ताकि किसान अपनी उपज देशभर में कहीं भी व विदेशों में बेच सकें। चौथा, जलवायु परिवर्तन से मुकाबला। 2047 तक कृषि को नए जलवायु जोखिमों का सामना करना होगा। विश्व बैंक के अनुसार, जलवायु बदलाव के कारण कृषि आय 15 से 18 प्रतिशत तक घट सकती है। भारत की 55 प्रतिशत से अधिक खेती वर्षा पर निर्भर है पर बिगड़ा मानसून चक्र खेती के लिए खतरे की घंटी है। जी–20 में भारत की खाद्य सुरक्षा पहल के लिए आई.सी.ए. आर. व नासा के जलवायु डाटा सहयोग से इन्नोवेटिव समाधान किए जा सकते हैं। भारत के विकास का रास्ता साफ है लेकिन यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण 'सबका साथ, सबका विकास, सबका प्रयास और सबका विश्वास' को हकीकत में लागू करने पर निर्भर करेगा। क्या विकसित भारत सबका भारत बनेगा, या दो अलग अर्थव्यवस्थाओं में बंटा भारत? 2047 के विकसित भारत की यात्रा में समृद्धि के सांझेदार अन्नदाता की अनदेखी नहीं की जा सकती। (लेखक कैबिनेट मंत्री रैंक में पंजाब इकोनॉमिक पॉलिसी एवं प्लानिंग बोर्ड के वाइस चेयरमैन भी हैं)

अरबाज खान-भूमिका चावला की नई फिल्म केसर सिंह में दिल छू लेने वाली कहानी, जल्द बड़े पर्दे पर

> फिल्म की शूटिंग उत्तर प्रदेश और वाई के सांस्कृतिक रूप से समृद्ध क्षेत्रों में की गई है, जहां की असली दुनिया और भावनात्मक बनावट कहानी में जान डालती है। यहां का परिवेश खुद ही एक पात्र बनकर कहानी में गहराई और आत्मीयता जोड़ता है। भूमिका चावला, जिन्होंने सलमान खान के साथ फिल्म 'तेरे नाम' से करियर की शुरुआत की थी, अब अरबाज खान के साथ नए अंदाज में नजर आएंगी।

बॉलीवुड अभिनेता अरबाज खान और अभिनेत्री भूमिका चावला की आगामी फिल्म 'केसर सिंह' को लेकर मेकर्स बेहद उत्साहित हैं। यह फिल्म एक भावनात्मक और वास्तविक जीवन पर आधारित ड्रामा है, जो आम इंसानों की जिद, संघर्ष और रोजमर्रा की हिम्मत को बड़े ही खूबसूरती से पर्दे पर पेश करती है। फिल्म की शूटिंग उत्तर प्रदेश और वाई के सांस्कृतिक रूप से समृद्ध क्षेत्रों में की गई है, जहां की असली दुनिया और भावनात्मक बनावट कहानी में जान डालती है। यहां का परिवेश खुद ही एक पात्र बनकर कहानी में गहराई और आत्मीयता जोड़ता है। भूमिका चावला, जिन्होंने सलमान खान के साथ फिल्म 'तेरे नाम' से करियर की शुरुआत की थी, अब अरबाज खान के साथ नए अंदाज में नजर आएंगी। अरबाज फिल्म में मुख्य भूमिका निभा रहे हैं और अपनी गंभीर और ईमानदार अभिव्यक्ति से किरदार को जीवंत कर रहे हैं। भूमिका अपनी भावनात्मक ताकत और धैर्यपूर्ण प्रदर्शन से इस जोड़ी को बेहद वास्तविक और दर्शकों के लिए जुड़ाव वाला बना रही हैं। भूमिका चावला ने कहा यह फिल्म मेरे लिए एक आशीर्वाद जैसी है। केसर की कहानी भावनात्मक, प्रेरणादायक और बेहद मानवीय है। अरबाज के साथ काम करना अद्भुत अनुभव रहा और इस तरह की खास कहानी का हिस्सा बनना बेहद खास महसूस हो रहा है। मुझे इंतजार नहीं हो रहा कि दर्शक केसर सिंह की यात्रा को पर्दे पर देखें। फिल्म के निर्माता परिमल शाह ने कहा 'केसर सिंह' केवल एक फिल्म नहीं है, यह जिद और कभी हार न मानने की भावना को सलाम है। हम एक ऐसी कहानी पेश करना चाहते थे जो सच्चाई और प्रामाणिकता को खोए बिना लोगों को प्रेरित करे। अरबाज खान और भूमिका चावला ने अपने किरदारों में असाधारण सच्चाई ला दी है। हम दर्शकों के साथ इस दिल को छू लेने वाली यात्रा को साझा करने के लिए उत्साहित हैं।'केसर सिंह' एक प्रेरक, भावनात्मक और सच्चाई पर आधारित कहानी है, जो जिंदादिली, हिम्मत और गिरने के बाद उठने के जज्बे को दर्शाती है। यह कहानी हर दर्शक के लिए तमसंजइसम है और मानव भावना की गहराई को बड़े पर्दे पर खूबसूरती से पेश करती है। फिल्म का निर्देशन जसबीर ने किया है और इसे परिमल शाह और विनीत शाह ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है और अब यह पोस्ट–प्रोडक्शन में है।

सोनम कपूर ने मदर लिखकर किया दूसरी प्रेग्नेंसी का ऐलान, शेयर की बेबी बंप की शानदार तस्वीरें

बॉलीवुड की फैशन आइकन सोनम कपूर ने अपने दूसरे बच्चे की घोषणा के साथ एक बार फिर सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। एक्ट्रेस ने अपने सिग्नेचर स्टाइल में, अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक बेहद खूबसूरत और सिंपल पोस्ट साझा करते हुए अपनी प्रेग्नेंसी की खबर दी। साझा की गई तस्वीरों में सोनम कपूर बेहद फैशनेबल और विंटेज से प्रेरित हॉट पिंक सूट में अपना बेबी बंप बहुत खूबसूरती से दिखा रही हैं। इन शानदार तस्वीरों के कैप्शन में उन्होंने केवल 'मदर (Mother)' लिखा है। यह आउटफिट दिवंगत प्रिंसेस डायना को एक श्रद्धांजलि के तौर पर देखा जा रहा है। सोनम कपूर के पति आनंद आहूजा ने इस घोषणा पर अपने पुराने मशहूर रिएक्शन 'डबल ट्रबल' को दोहराया। मई 2018 में शादी करने वाले इस कपल के पहले बच्चे, बेटे वायु का जन्म अगस्त 2022 में हुआ था। इस घोषणा ने उन सभी अटकलों पर विराम लगा दिया है जो पिछले कुछ समय से कपल के करीबी दोस्तों, परिवार और फैंस के बीच चल रही थीं। सोनम और आनंद का यह पोस्ट उनके फैंस के बीच खुशी की लहर लेकर आया है।

श्री सत्य साईं बाबा के जन्म शताब्दी समारोह में शामिल हुईं ऐश्वर्या राय, व्हाइट सूट में दिखा कूल लुक

बॉलीवुड एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय बच्चन भले ही इन दिनों फिल्मों में एक्टिव नहीं हैं, लेकिन वो अपने लुक्स और अपीयरेंस से अक्सर सुर्खियां बटोरती नजर आती हैं। हाल ही में ऐश्वर्या राय को श्री सत्य साईं बाबा के जन्म शताब्दी समारोह में देखा गया, जहां प्रधानमंत्री मोदी और आंध्र प्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायडू भी शामिल हुए। इस दौरान की ऐश्वर्या की तस्वीरें अब सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं। सामने आई तस्वीरों में देखा जा सकता है कि ऐश्वर्या राय व्हाइट लुक में श्री सत्य साईं बाबा के जन्म शताब्दी समारोह पहुंचीं। लाइट मेकअप, खुले बाल और व्हाइट दुपट्टा कैरी किए एक्ट्रेस का बेहद कूल लुक देखने को मिला। इस दौरान ऐश्वर्या ने पीएम मोदी का आभार व्यक्त किया। साथ ही सत्य साईं बाबा के बताए रास्ते पर चलने की बात कही। ऐश्वर्या राय ने प्रधानमंत्री मोदी की उपस्थिति को विशेष और प्रेरणादायक बताया और कहा कि वह हमेशा पीएम मोदी के मार्गदर्शक और प्रभावशाली विचारों को सुनने के लिए उत्सुक रहती हैं। ऐश्वर्या ने कहा कि पीएम की मौजूदगी ने इस शताब्दी आयोजन को और भी खास बना दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि यह कार्यक्रम हमें श्री सत्य साईं बाबा के उस संदेश की याद दिलाता है कि सच्चा नेतृत्व सेवा में है और मनुष्य की सेवा करना ही ईश्वर की सेवा है। काम की बात करें तो ऐश्वर्या राय बच्चन आखिरी बार पोन्नियिन सेलवन II में नजर आई थीं, जो 2023 में रिलीज हुई थी। फिलहाल, उन्होंने अपने अगले प्रोजेक्ट की घोषणा नहीं की है। हालांकि, वह पेरिस फैशन वीक, कान्स फिल्म फेस्टिवल और अन्य बड़े अंतरराष्ट्रीय इवेंट्स में अपनी शानदार उपस्थिति से सुर्खियां बटोरती रहती हैं।

'तेरे इश्क में' में कृति ने तोड़ा धनुष का दिल? ट्रेलर में दिखा लव-ट्रायंगल का दर्द!

अभिनेता धनुष और कृति सेनन अपनी आगामी फिल्म तेरे इश्क में पहली बार स्क्रीन शेयर करने के लिए तैयार हैं। इस बहुप्रतीक्षित फिल्म का निर्देशन आनंद एल राय ने किया है और इसे हिमांशु शर्मा और नीरज यादव ने लिखा है। गौरतलब है कि ऑस्कर विजेता संगीतकार एआर रहमान ने इस फिल्म का संगीत तैयार किया है।

तेरे इश्क में कब रिलीज़ हो रही है?

आनंद एल राय द्वारा निर्देशित तेरे इश्क में शुक्रवार, 28 नवंबर, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी। यह फिल्म हिंदी, तमिल और तेलुगु भाषाओं में रिलीज़ होगी।

तेरे इश्क में ट्रेलर

निर्माताओं ने 14 नवंबर, 2025 को तेरे इश्क में का आधिकारिक ट्रेलर रिलीज़ किया। ट्रेलर को प्रशंसकों ने खूब सराहा और इसे अब तक 29 मिलियन से ज़्यादा बार देखा जा चुका है। बता दें कि इस फिल्म का निर्माण आनंद एल राय, भूषण कुमार, कृष्ण कुमार और हिमांशु शर्मा ने टी–सीरीज़ के बैनर तले किया है।

तेरे इश्क में की कहानी

यह रोमांटिक एक्शन ड्रामा धनुष द्वारा अभिनीत एक गुस्सैल युवक शंकर की कहानी है, जिसे कृति सेनन द्वारा अभिनीत मुक्ति से प्यार हो जाता है। उनकी प्रेम कहानी कॉलेज के गलियारों में शुरू होती है, लेकिन चीज़ें तब बदल जाती हैं जब कृति सनोन का किरदार मुक्ति अपना मन बदल लेती है और किसी और से शादी करने का फैसला करती है।

कृति सेनन और धनुष का वर्कफ्रंट

अभिनेता के वर्कफ्रंट की बात करें तो, कृति सनोन आखिरी बार शशांक चतुर्वेदी की नेटफ्लिक्स फ़िल्म, दो पत्ती में काजोल के साथ नज़र आई थीं। वह अगली बार शाहिद कपूर के साथ कॉकटेल 2 में नज़र आएंगी। दूसरी ओर, धनुष आखिरी बार तमिल कॉमेडी ड्रामा इडली कढ़ाई में मुरुगन की भूमिका में नज़र आए थे। इस फिल्म का निर्देशन और लेखन भी धनुष ने ही किया था। इसमें राज किरण, बाहुबली अभिनेता सत्यराज, नित्या मेनन और अन्य कलाकार प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

श्रिया सरन के नाम पर लोगों को अपने झांसे में ले रहा था शख्स, एक्ट्रेस ने किया अलर्ट, कहा- इस फेक नंबर से दूर रहें

सोशल मीडिया पर इन दिनों बॉलीवुड सेलेब्स के नाम पर फर्जीवाड़े की खूब खबरें सुनने को मिल रही हैं। पिछले दिनों एक्ट्रेस अदिति राव हैदरी ने अपने नाम पर फोटोग्राफर्स के साथ हो रही ठगी को लेकर अलर्ट किया था। वहीं, अब एक्ट्रेस श्रिया सरन ने भी अपने फैंस को सावधान रहने की सलाह दी है। दरअसल, कोई शख्स उनके नाम पर लोगों से कॉन्टैक्ट कर रहा है, जिसे लेकर उन्होंने अपने फैंस को अलर्ट किया है। बुधवार को श्रिया सरन ने अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते हुए लिखा– 'ये बेवकूफ कोई भी हो। लोगों को मैसेज लिखना और समय बर्बाद करना बंद करो। ये मैं नहीं हूं! यह मेरा नंबर नहीं है। ये घटिया इंसान उन लोगों तक पहुंच रहा है जिनकी मैं कद्र करती हूं और जिनके साथ काम करना चाहूंगी। बहुत अजीब बात है।' आगे एक्ट्रेस ने फर्जीवाड़ा करने वाले को कहा, 'तुम ऐसा करने में अपना समय क्यों बर्बाद कर रहे हो? जाओ, जिंदगी जियो।' एक्ट्रेस ने अपने फैंस को इस स्कैम से अलर्ट करते हुए कहा– 'इस फेक नंबर से दूर रहें, कोई भी वर्क बुकिंग या पेमेंट ना करें।'बता दें, श्रिया सरन सोशल मीडिया की दुनिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अक्सर अपने फैंस के साथ खुद से जुड़े अपडेट्स व लेटेस्ट फोटोज शेयर करती रहती हैं।

नन्हें हाथ पांव, पर दिल का सबसे बड़ा हिस्सा.. अरबाज-शूरा ने दिखाई अपनी लाडली की पहली झलक

बॉलीवुड एक्टर अरबाज खान ने इसी साल अक्टूबर में बीवी शूरा संग घर में एक प्यारी सी बेटी का स्वागत किया था, जिसका नाम उन्होंने सिपारा रखा है। हालांकि, अभी तक कपल ने अपनी लाडली का चेहरा दुनिया में रिवील नहीं किया है। इसी बीच हाल ही में उन्होंने अपनी नन्हीं परी की पहली झलक शेयर की है, जो इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रही है। शूरा खान और अरबाज खान ने जॉइंट पोस्ट में अपनी बेटी सिपारा की पहली झलक फैंस को दिखाई। एक फोटो में कपल की लाडली के नन्हें पांव दिख रहे हैं तो दूसरी में नन्हें से हाथ। इन फोटोज के कैप्शन में अरबाज ने लिखा– सबसे छोटे हाथ और पैर, लेकिन हमारे दिल का सबसे बड़ा हिस्सा। बता दें, अरबाज और शूरा ने 8 अक्टूबर को अपनी बेटी के नाम का खुलासा किया था। उन्होंने पोस्ट करके बताया था कि उन्होंने अपनी लाडो का नाम सिपारा रखा है, जिसका आध्यात्मिक अर्थ पवित्र हिस्सा या कुरान का भाग है। गौरतलब है कि एक साल तक डेटिंग करने के बाद 24 दिसंबर, 2023 को अरबाज और शूरा ने शादी कर ली। इसमें केवल करीबी दोस्त और परिवार के सदस्य ही शामिल हुए थे। इससे पहले अरबाज खान ने साल 1998 में मलाइका से शादी की थी। साल 2002 में बेटे अरहान का जन्म हुआ। कपल ने साल 2016 में सेपरेशन का ऐलान किया और 2017 में इनका तलाक फाइनल हो गया था।

बोरिंग नहीं, अब इस खास तरीके से बनाएं चटपटी आलू मटर सब्जी, उंगलियां चाटते रह जाएंगे!

विंटर सीजन में हर घर में सबसे ज्यादा आलू मटर की सब्जी बनती है। कई बार तो लोग इस सब्जी को खाकर बोर भी हो जाते हैं। अगर आप दोपहर के लंच बनाने का समय हो और समय की कमी हो, तो जल्द ही में कुछ न कुछ खाने में फटाफट बनाने की जरुरत होती है। जहन में सबसे पहले आलू मटर की सब्जी ही आती है। इसे बनाना भी आसान है। इस सब्जी लोग अपने घर में अलग–अलग तरीके से बनाते हैं। आलू मटर की सब्जी को रोटी व पराठा या फिर दाल–चावल और पूड़ी के साथ भी मस्त तरीके से खा सकते हैं। यदि आपने पहले से आलू को उबालकर रखा है, तो आपका काम काफी आसान हो जाता है। इस लेख में हम आपको आलू मटर की सबसे हटके रेसिपी बताने जा रहे है, एक बार बनने के बाद इसे आप बार–बार बनाएंगे।

आलू मटर की सब्जी बनाने की रेसिपी

– सबसे पहले आप उबले आलू को छील लें।

– अगर आपको इसकी सब्जी जल्दी बनाना है, तो मटर को उबाल लें।

– अब आलू को बीच से काटकर तेल में गोल्डन ब्राउन फ्राई कर लें।

– इसके बाद प्लेट में निकालर पैन में 2 चम्मच तेल डालकर गर्म होने दें।

– तेल गर्म होने के बाद इसमें जीरा, अजवाइन और एक चुटकी हींग डालकर भूनें।

– जब यह सब भून जाए, तो इसमें प्याज, हरी मिर्च और बारीक कटा हुआ अदरक डालें।

– 2–3 मिनट तक इसे चलाएं और सभी चीजों को सुनहरा होने तक भूनें।

– अब इसमें आलू और हरी मटर को डालें और स्वादनुसार नमक डालकर ढक दें।

– 5 मिनट के बाद सब्जी मसाला और हल्दी पाउडर डालें।

– मटर पक जाने के बाद ऊपर से काली मिर्च पाउडर डालें और 5 मिनट ढककर और पकाएं।

– अब आप खूब सारा हरा धनिया डालें और गैस बंद कर दें।

– इसको आप पूड़ी के साथ ही गर्मा–गर्म खाएं।

सर्दी में इम्यूनिटी और गर्माहट का सीक्रेट! घर पर बनाएं गोंद-गुड़ के लड्डू

सर्दियों के मौसम ज्यादातर घरों में गोंद के लड्डू जरुर बनाएं जाते हैं। ठंड से बचने के लिए यह लड्डू काफी मददगार साबित होते हैं। इस मौसम में शरीर को स्वाभाविक रूप से गर्मी, ताकत और पोषण देने के लिए गोंद के लड्डू जरुर खाएं जाते हैं। यह गोंद–गुड़ के लड्डू पारंपरिक मिठाई है, जिसे लोग अपने घर में सर्दियों के दौरान जरुर बनाते हैं। इसके सेवन से शरीर को पर्याप्त न्यूट्रिशन प्राप्त होता है। दादी–नानी की रसोई में पीढ़ियों से चली आ रही ये पौष्टिक लड्डू न सिर्फ स्वादिष्ट होती हैं, बल्कि शरीर को सर्दी की ठंड से भी बचाते हैं और रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने में भी मदद करती हैं। वैसे इन्हें प्यार से सर्दियों के लड्डू भी कहा जाता है, जो खास तौर पर ठंड के महीनों के लिए बनाए जाते हैं। तो चलिए बिना देर किए आपको बताते हैं, गोंद–गुड़ लड्डू।

गोंद–गुड़ के लड्डू के लिए सामग्री

– गोंद: 100 ग्राम

– गुड़: 250 ग्राम

– गेहूं का आटा: 200 ग्राम

– देसी घी: 200 ग्राम

– बादाम: 50 ग्राम

– काजू: 50 ग्राम

– कद्दूकस किया हुआ नारियल: ½ कप

– इलायची पाउडर: 1 छोटा चम्मच

–खसखस (वैकल्पिक): 2 बड़े चम्मच

गोंद–गुड़ के लड्डू कैसे बनाएं?

– एक कड़ाही में थोड़ा सा घी गरम करें और उसमें गोंद डालें। मध्यम आंच पर तब तक भूनें जब तक वह फूलकर कुरकुरा और सफेद न हो जाए, लगभग पॉपकॉर्न जैसा। इसे निकालकर ठंडा होने दें।

– उसी कड़ाही में थोड़ा और घी डालें और धीमी आंच पर गेहूं का आटा भून लें। इसे लगातार चलाते रहें जब तक कि यह सुनहरा और खुशबूदार न हो जाए। इससे लड्डूओं को उनका असली, घर का बना स्वाद मिलता है।

– बादाम और काजू को हल्का सा मसल लें। एक छोटी चम्मच घी में 1–2 मिनट तक भूनें ताकि वे कुरकुरे रहें। कद्दूकस किया हुआ नारियल भी हल्का सा भून लें।

– कढ़ाई में 3–4 चम्मच घी डालें और उसमें गुड़ तोड़कर डालें। धीमी आंच पर धीरे–धीरे पिघलाएं। ज्यादा न पकाएं, बस इतना पिघलाएं कि मिश्रण में अच्छी तरह मिल जाए।

– पिघले हुए गुड़ में भुना हुआ आटा, गोंद, मेवे, नारियल और इलायची पाउडर डालें। अच्छी तरह मिलाएं ताकि गुड़ सभी सामग्रियों पर समान रूप से मिल जाए।

– अब मिश्रण के गरम रहते ही, अपनी हथेलियों पर घी लगाकर अपनी पसंद के आकार के लड्डू बना लें,उन्हें ठंडा होने दें। चाहें तो ऊपर से खसखस छिड़ककर स्वादिष्ट बना सकते हैं।

सुबह खाली पेट लहसुन खा लिया तो बस! बीमारी पास भी नहीं फटकेगी

कच्चा लहसुन दिखने में भले ही छोटा हो, लेकिन इसके फायदे बहुत बड़े हैं। यह शरीर को अंदर से साफ रखता है, वजन कंट्रोल करने में मदद करता है, इम्युनिटी बढ़ाता है और त्वचा को भी साफ बनाता है। रोजाना सिर्फ एक या दो कली कच्चा लहसुन खाने से कई तरह के हेल्थ लाभ मिलते हैं। इसलिए इसे कई लोग नेचुरल मेडिसिन भी कहते हैं। हर घर की रसोई में मौजूद लहसुन खाने के स्वाद को बढ़ाने के साथ–साथ शरीर के लिए भी बेहद फायदेमंद होता है। दादीदृनानी के पुराने नुस्खों में भी लहसुन का उपयोग अक्सर किया जाता रहा है। पेट में गैस, खांसी, दर्द या इम्युनिटी बढ़ाने में यह बहुत उपयोगी माना जाता है।

डॉक्टरों का क्या कहना है?

मैक्स हॉस्पिटल, गुरुग्राम की कंसलटेंट क्लीनिकल और फंक्शनल न्यूट्रिशनिस्ट डॉ. मंजरी चंद्रा बताती हैं कि लहसुन सिर्फ हेल्दी फूड नहीं है, बल्कि एक प्राकृतिक एंटीबायोटिक है। इसमें मौजूद एलिसिन नाम का तत्व इसे बहुत शक्तिशाली बनाता है। एलिसिन खून को साफ करता है, पाचन सुधारता है और दिल को स्वस्थ रखने में भी मदद करता है।

सर्दी–खांसी का रामबाण इलाज है लहसुन, जानिए इसे खाने के अन्य फायदे

नेचुरल डिटॉक्स : शरीर की गंदगी बाहर निकालें

आजकल पैक्ड फूड, कम पानी, तनाव और नींद की कमी के कारण शरीर में टॉक्सिन जमा हो जाते हैं। इससे थकान, गैस, मुहांसे, सुस्ती और पाचन खराब होने जैसी समस्याएं होती हैं। कच्चे लहसुन में मौजूद सल्फर कंपाउंड शरीर के खराब बैक्टीरिया को खत्म करते हैं और लिवर को सक्रिय करके डिटॉक्स की प्रक्रिया तेज कर देते हैं। सुबह खाली पेट कच्चा लहसुन खाने से शरीर हल्का और साफ महसूस होने लगता है।

इम्युनिटी को बनाता है मजबूत

अगर मौसम बदलते ही सर्दी–खांसी आपको पकड़ लेती है, तो कच्चा लहसुन आपके लिए बहुत उपयोगी है। यह प्राकृतिक एंटीबायोटिक और एंटीवायरल गुणों वाला फूड है। एलिसिन और एंटीऑक्सीडेंट इम्युनिटी सेल्स को मजबूत बनाते हैं, जिससे शरीर वायरस और बैक्टीरिया से तेजी से लड़ पाता है। कई शोधों में पाया गया है कि जो लोग नियमित रूप से लहसुन खाते हैं, उन्हें सामान्य सर्दी–जुकाम कम होता है।

पाचन शक्ति को बेहतर करता है

कच्चा लहसुन पेट के लिए किसी वरदान जैसा है। यह अच्छे बैक्टीरिया बढ़ाता है और खराब बैक्टीरिया को खत्म करता है। यदि आप रोजाना इसे खाली पेट खाएँगे, तो पाचन बेहतर होगा और पेट हल्का महसूस होगा। गैस, कब्ज, ब्लोटिंग और भारीपन से परेशान लोगों के लिए यह बहुत फायदेमंद है।

खून को साफ करता है

लहसुन में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट और सल्फर खून में जमा गंदगी, खराब कोलेस्ट्रॉल और फैट को कम करते हैं। इसलिए इसे ब्लड प्यूरीफायर भी कहा जाता है। खून साफ होगा तो चेहरा साफ दिखेगा, पिंपल्स कम होंगे और ग्लो भी बढ़ेगा। इसके अलावा यह खराब कोलेस्ट्रॉल घटाकर अच्छे कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाता है, जिससे दिल पर दबाव कम पड़ता है और ब्लड सर्कुलेशन सुधरता है।

वजन घटाने में भी करता है मदद

अगर आप वजन कम करना चाहते हैं तो कच्चा लहसुन सहायक हो सकता है। यह मेटाबॉलिज्म को तेज करता है और कैलोरी को जल्दी बर्न करने में मदद करता है। यह फैट सेल्स की गतिविधि को कम करता है, जिससे शरीर में फैट स्टोर होने की प्रक्रिया धीमी हो जाती है। सुबह गर्म पानी या नींबू पानी के साथ अगर इसे लिया जाए, तो शरीर अच्छी तरह डिटॉक्स होता है।

त्वचा को साफ और ग्लोइंग बनाता है

कच्चा लहसुन त्वचा के लिए भी बहुत फायदेमंद है। जब खून साफ होगा, तो त्वचा स्वाभाविक रूप से चमकने लगेगी। लहसुन में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट शरीर के फ्री–रेडिकल्स और टॉक्सिन्स हटाते हैं, जिससे त्वचा हेल्दी रहती है और पिंपल की समस्या कम होती है।

लेकिन ध्यान रखें

कई लोग लहसुन को चेहरे पर सीधे लगा लेते हैं, इससे जलन हो सकती है। इसलिए इसे त्वचा पर न लगाएं सिर्फ सेवन करें।

सर्दियों में इन 7 कारणों से फटती हैं एड़ियां! घर पर ऐसे करें इलाज जिससे तलवे भी बनेंगे सॉफ्ट

सर्दियों का मौसम शुरू होते ही सबसे आम समस्या है फटी हुई एड़ियां। ठंड, सूखी हवा और कम नमी के कारण पैरों की त्वचा तेजी से ड्राई होने लगती है। अगर समय रहते इसकी देखभाल न की जाए, तो एड़ियों में गहरी दरारें, दर्द, खून आना और इन्फेक्शन तक हो सकता है। जानिए सर्दियों में एड़ियां क्यों फटती हैं और घर पर उन्हें कैसे ठीक किया जा सकता है। इन प्रमुख कारणो की वजह से फटने लगती है एड़ियां।

ड्राई मौसम और कम नमी

सर्दियों के दौरान हवा में नमी बहुत कम होती है, जिससे त्वचा तेजी से नमी खोने लगती है। पैरों में वैसे भी प्राकृतिक तेल कम होते हैं, इसलिए एड़ियों पर इसका असर और ज्यादा दिखाई देता है। त्वचा सूखकर सख्त होने लगती है और कुछ ही दिनों में फटने लगती है।

एड़ियों पर ज्यादा दबाव

ज्यादा वजन होने या लंबे समय तक लगातार खड़े रहने से एड़ियों पर दबाव बढ़ जाता है। इससे एड़ी के नीचे मौजूद फैट पैड फैलकर त्वचा को खींचने लगता है, जिसके कारण त्वचा में दरारें पड़ने लगती हैं और एड़ियां फटने लगती हैं।

बढ़ती उम्र

उम्र बढ़ने पर त्वचा की लचक कम होने लगती है और प्राकृतिक तेलों का उत्पादन भी घट जाता है। इसी वजह से पैरों की त्वचा धीरे–धीरे सख्त, सूखी और रफ हो जाती है, जिससे एड़ियां फटने की संभावना कई गुना बढ़ जाती है।

स्किन प्रॉब्लम्स

सोरायसिस, एक्जिमा, फंगल इंफेक्शन, डायबिटीज और थायरॉइड जैसी समस्याओं में त्वचा जल्दी सूखने लगती है और उसकी हीलिंग क्षमता भी कम हो जाती है। ऐसे में पैरों की त्वचा कठोर होकर फटने लगती है और एड़ियों में गहरी दरारें बनने का खतरा बढ़ जाता है।

गलत फुटवियर पहनना

खुले या खराब क्वालिटी वाले जूतेदृचप्पल पहनने से पैर लगातार ठंडी और सूखी हवा के संपर्क में रहते हैं, जिससे तलवे तेजी से ड्राई होकर फटने लगते हैं। इसके अलावा, गलत फिटिंग वाले फुटवियर घर्षण बढ़ाते हैं, जिस कारण एड़ियों में दरारें और दर्द की समस्या और अधिक बढ़ जाती है।

सर्दियों में पानी कम पीना

सर्दियों में प्यास कम लगने के कारण लोग अक्सर पानी कम पीते हैं, लेकिन इससे शरीर में हाइड्रेशन घट जाता है। नतीजतन त्वचा अंदर से सूखने लगती है और एड़ियां तेजी से फटने लगती हैं।

केमिकल वाले प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल

हार्श साबुन या केमिकल–युक्त लोशन–क्रीम के इस्तेमाल से त्वचा का प्राकृतिक तेल कम हो जाता है। इससे एड़ियां और भी ज्यादा ड्राई होकर तेजी से फटने लगती हैं।

फटी एड़ियों के घरेलू उपचार

गुनगुने पानी में पैरों को भिगोएं

15 मिनट तक भिगोएं

इससे डेड स्किन नरम होती है

स्क्रबर या प्यूमिक स्टोन से हल्के हाथ से रगड़ें

यह तरीका रोज करने से एड़ियां साफ और मुलायम रहती हैं।

मॉइस्चराइजिंग अनिवार्य है

फटी एड़ियों को ठीक करने का सबसे आसान और प्रभावी तरीका है नियमित मॉइस्चराइजिंग। स्नान के तुरंत बाद और रात में सोने से पहले इन चीजों का इस्तेमाल जरूर करें।

नारियल तेल

बादाम तेल

ऑलिव तेल

वैसलीन

गाढ़ी क्रीम

लगाकर 2–3 मिनट मसाज करें। रात में मोजे पहन लें।

केला पेस्ट

पका केला मैश करके एड़ियों पर लगाएं।

15 मिनट बाद धो लें।

स्किन तुरंत सॉफ्ट हो जाती है।

एलोवेरा जेल, नींबू रस

सोने से पहले एलोवेरा जेल में 2/3 बूंद नींबू मिलाकर लगाएं

मोजे पहनकर सोएं

सुबह पैर बेहद मुलायम महसूस होंगे

गुलाब जल और ग्लिसरीन

एक चम्मच गुलाब जल, एक चम्मच ग्लिसरीन

रोज रात में लगाने से फटी एड़ियां भरने लगती हैं।

सही फुटवियर पहनें

सर्दियों में हमेशा

बंद जूते

मुलायम सोल वाले फुटवियर

सही फिटिंग वाले सैंडल

पहनें ताकि पैर ड्राई हवा से बचें।

पानी खूब पिएं

भले ही ठंड हो, दिन में 7–8 गिलास पानी जरूर पिएं।

हाइड्रेशन से स्किन नैचुरली सॉफ्ट रहती है।

कब डॉक्टर को दिखाना चाहिए?

अगर आपकी फटी एड़ियां सामान्य ड्राइनेस से बढ़कर गंभीर रूप लेने लगें, तो डॉक्टर को दिखाना बेहद जरूरी हो जाता है। खासकर तब, जब एड़ियों से खून आने लगे, चलने में दर्द महसूस हो, दरारों में पस या बदबू आने लगे, या फिर लालिमा और सूजन दिखने लगे। ये सभी संकेत इंफेक्शन या गहरी क्रैक का संकेत हो सकते हैं, जिन्हें घरेलू उपाय से ठीक करना मुश्किल होता है। ऐसी स्थिति में तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना सबसे सुरक्षित विकल्प है।

राइजिंग एशिया कप सेमीफाइनलः भारत-ए को टॉप ऑर्डर से दमदार प्रदर्शन की उम्मीद, बांग्लादेश-ए से मिलेगी कड़ी टक्कर

दोहा। राइजिंग स्टार्स एशिया कप के सेमीफाइनल में बुधवार को भारत ए का सामना बांग्लादेश ए से होगा। भारतीय टीम की नज़र फाइनल में जगह बनाने पर है, लेकिन इसके लिए उसके शीर्षक्रम के बल्लेबाजों को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। अब तक टीम के लिए सबसे अधिक भरोसेमंद नाम वैभव सूर्यवंशी रहे हैं, जिन्होंने टूर्नामेंट में 201 रन बनाए हैं और एक शतक भी जड़ा है। हालांकि कप्तान जितेश शर्मा, नमन धीर, प्रियांश आर्य और नेहाल वढेरा अभी तक अपेक्षित योगदान नहीं दे पाए हैं।

सूर्यवंशी पर निर्भरता कम करने की जरूरत

भारत ए की बल्लेबाजी सूर्यवंशी के आसपास घूमती हुई नजर आई है। मध्यक्रम में मजबूती लाने के लिए बाकी बल्लेबाजों को अपने प्रदर्शन में निरंतरता लानी होगी। सेमीफाइनल जैसे बड़े मुकाबले में एक या दो साझेदारियाँ मैच का रुख बदल सकती हैं, इसलिए कोचिंग स्टाफ शीर्षक्रम से बड़ी पारी की उम्मीद कर रहा है।

बांग्लादेश ए की गेंदबाजी बनी चुनौती

भारतीय टीम बांग्लादेश को हल्के में बिल्कुल नहीं ले रही है। अफगानिस्तान ए को मात्र 78 रन पर समेटने वाली बांग्लादेश ए की गेंदबाजी मजबूत मानी जा रही है। तेज गेंदबाज रिपोन मंडल और बाएं हाथ के स्पिनर रकीबुल हसन भारतीय बल्लेबाजों के लिए बड़ी चुनौती बन सकते हैं। श्रीलंका ए के खिलाफ आखिरी ओवर तक मैच को ले जाना भी बांग्लादेश टीम की जुझारू क्षमता को दर्शाता है।

गेंदबाजी में भारत ए का अच्छा प्रदर्शन जारी

गेंदबाजी के मोर्चे पर भारत ए अब तक बेहतरीन रहा है। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज गुरजपनीत सिंह तीन मैचों में पांच विकेट ले चुके हैं। वहीं स्पिन तिकड़ी– हर्ष दुबे, सुयश शर्मा और आशुतोष ने लगातार विकेट निकालकर टीम को मजबूती दी है। दुबे ने बल्ले से भी अहम योगदान दिया और ओमान के खिलाफ शानदार अर्धशतक जड़ा। दुबे ने कहा कि सलामी बल्लेबाज के रूप में शुरुआत करने का

अनुभव उनकी बल्लेबाजी में मदद करता है। उनका लक्ष्य है कि सेमीफाइनल में भी टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई जाए।

बांग्लादेश की बल्लेबाजी इन खिलाड़ियों पर निर्भर

बांग्लादेश ए की ओर से हबीबुर रहमान सोहान और कप्तान अकबर अली सबसे अहम खिलाड़ी माने जा रहे हैं। भारत ए की रणनीति होगी कि इन दोनों को जल्दी आउट करके विपक्षी टीम पर दबाव बनाया जाए।

संभावित प्लेइंग–11

भारत–एः जितेश शर्मा (कप्तान), प्रियांश आर्य, वैभव सूर्यवंशी, नेहल वढेरा, नमन धीर, रमनदीप सिंह, हर्ष दुबे, आशुतोष शर्मा/यश ठाकुर, गुरजपनीत सिंह, विजय कुमार वैशाक, सुयश शर्मा।

बांग्लादेश एः अकबर अली (कप्तान), मोहम्मद हबीबुर रहमान, यासिर अली, रकीबुल हसन, जीशान अलम, महीदुल एंकोन, तूफेल अहमद, मेहराब हसन, रिपोन मंडल, अबु हिदार रोनी, मोहम्मद अब्दुल गफ्फार।

टीमें –

भारत ए टीमः जितेश शर्मा (कप्तान), प्रियांश आर्य, वैभव सूर्यवंशी, नेहल वढेरा, नमन धीर, सूर्यांश शेडगे, रमनदीप सिंह, हर्ष दुबे, आशुतोष शर्मा, यश ठाकुर, गुरजपनीत सिंह, विजय कुमार वैशाक, युधवीर सिंह चरक, अभिषेक पोरेल, सुयश शर्मा।

बांग्लादेश ए टीमः अकबर अली (कप्तान), मोहम्मद हबीबुर रहमान, यासिर अली, जीशान आलम, आरिफुल इस्लाम, रकीबुल हसन, महीदुन एंकोन, तूफेल अहमद, मृत्युंजय चौधरी, मेहराब हसन, रिपोन मंडल, अबु हिदार रोनी, मोहम्मद शादिन इस्लाम, जवाद अबरार, मोहम्मद अब्दुल गफ्फार।

कुछ लोगों का अपना एजेंडा होता है, पिच विवाद पर गौतम गंभीर को मिला सितांशु कोटक का समर्थन

गुवाहाटी। भारतीय टीम के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने कोलकाता की पिच को लेकर छिड़े विवाद पर मुख्य कोच गौतम गंभीर का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों का अपना एजेंडा होता है। दरअसल, ईडन गार्डन्स पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले गए पहले टेस्ट मैच में भारत को करारी शिकस्त मिली थी। इसके बाद गंभीर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में पिच को सही ठहराया और कहा कि यह बिल्कुल वही पिच थी जो हमने मांगी थी।

गंभीर ने क्यों दिया ऐसा बयान?

गंभीर के इस बयान पर क्रिकेट जगत के तमाम दिग्गजों ने सवाल खड़े किए। अब टीम के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने इस विषय पर खुलकर बात की है। उन्होंने बताया कि गंभीर ने ऐसा बयान पिच क्यूरेटर्स को बैकलैश से बचाने के लिए दिया था। कोटक ने कहा, गौतम ने कहा कि उन्होंने दोष अपने ऊपर ले लिया क्योंकि वह नहीं चाहते थे कि क्यूरेटर दोष लें। जब हम घर में खेलते हैं तो हम स्पिन पर भरोसा करते हैं। हम आमतौर पर उम्मीद करते हैं कि मैच चार से साढ़े चार दिन तक चलेगा और स्पिन को भी थोड़ी मदद मिलेगी। पहले और दूसरे दिन तेज गेंदबाज गेम में बने रहते हैं।

पिच पर क्या बोले कोटक?

भारत को ईडन गार्डन्स की चुनौतीपूर्ण पिच पर 30 रन की हार का सामना करना पड़ा, जिसके साथ मेहमान टीम ने दो मैचों की सीरीज में 1–0 की बढ़त ले ली। कोटक ने आगे कहा कि ईडन गार्डन्स की पिच उम्मीद से बहुत पहले खराब हो गई थी। उन्होंने कहा, पिछले गेम में जो हुआ, उसकी उम्मीद नहीं थी। पहले दिन के बाद, पिच टूटने लगी। क्यूरेटर भी ऐसा नहीं चाहता था। स्पिन की उम्मीद थी, लेकिन उतनी नहीं, और निश्चित रूप से पहले दिन या दूसरे दिन की सुबह तो बिल्कुल नहीं। कोटक ने टर्निंग ट्रैक पर बैटिंग के टेक्निकल पहलुओं पर भी बात की, और फुटवर्क और इरादे की अहमियत पर जोर दिया। उन्होंने कहा, ऐसे विकेट पर, आपका फुटवर्क अच्छा होना चाहिए। अगर आप अच्छी लेंथ चुनते हैं आगे या पीछे, तो आप कहीं भी बैटिंग कर सकते हैं।

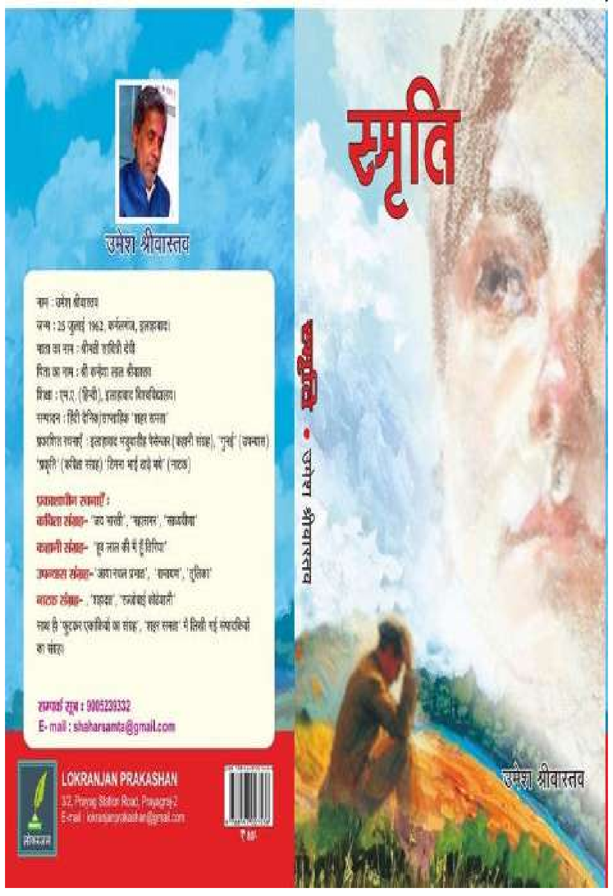

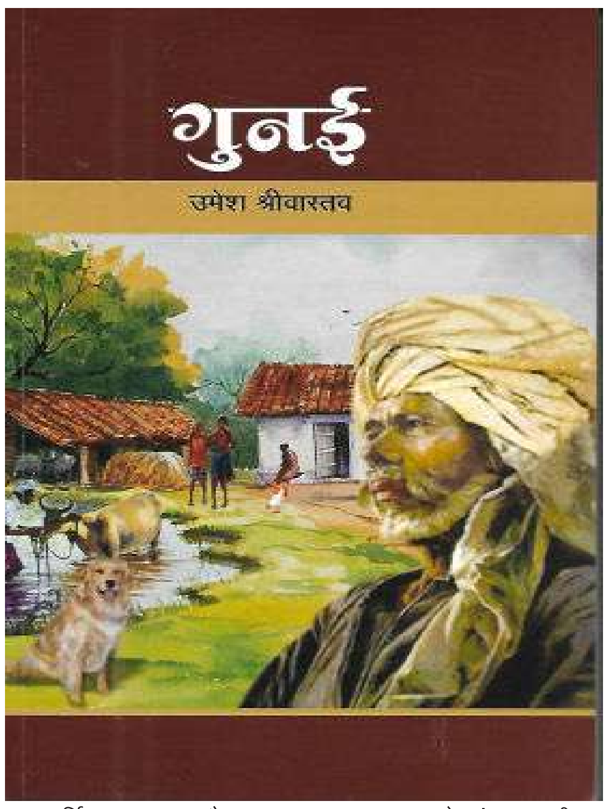

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

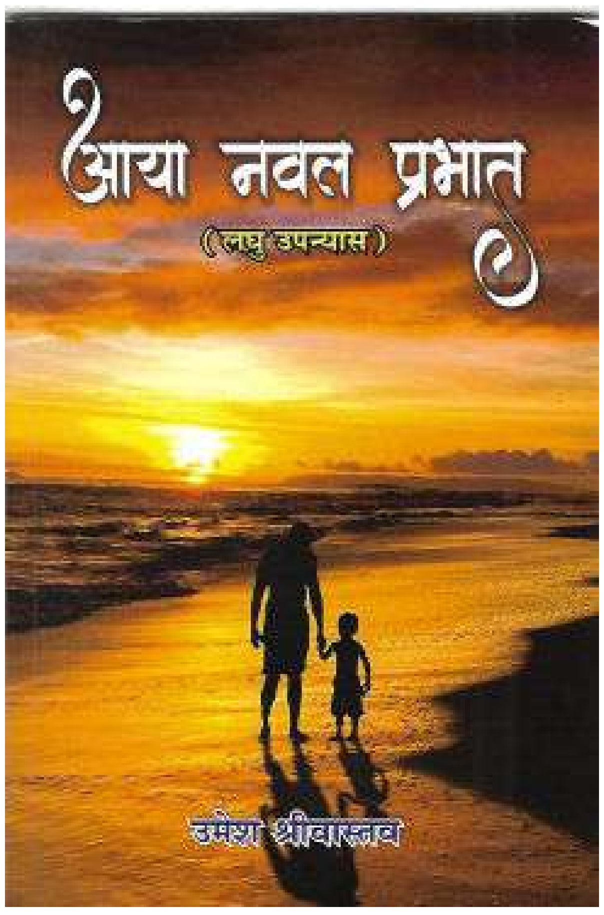

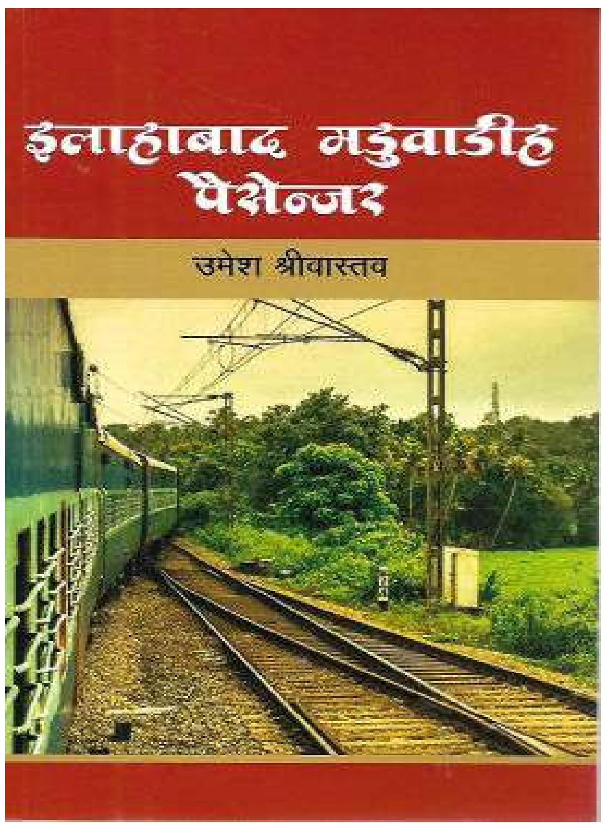

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

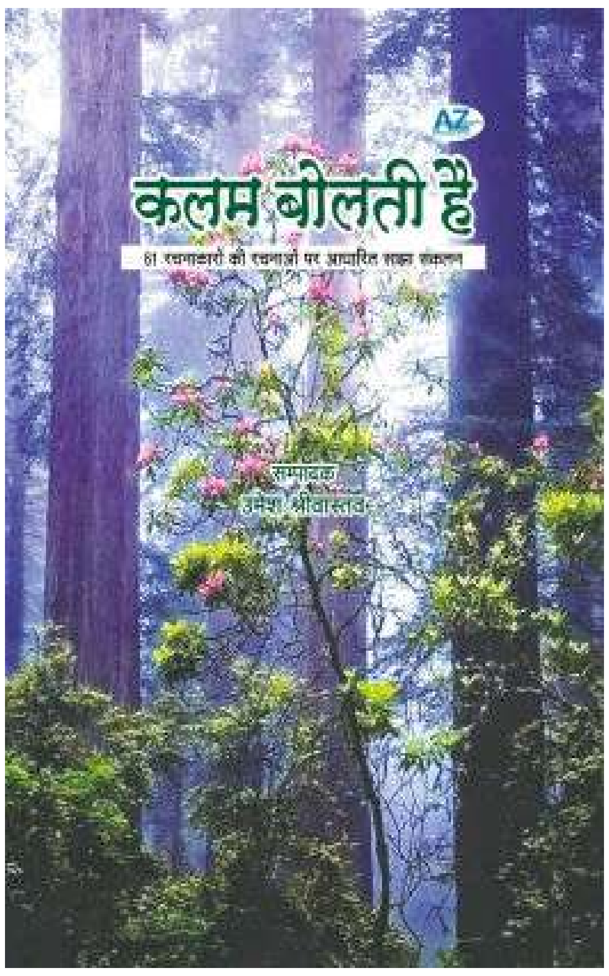

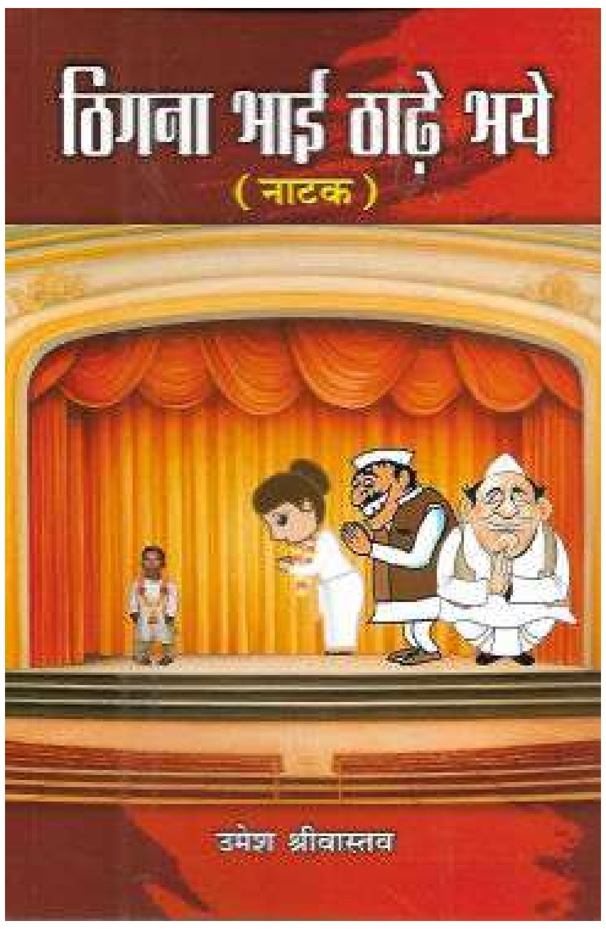

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

गोदरेज प्रॉपर्टीज को बेंगलुरु में 30 एकड़ की टाउनशिप से 3,500 करोड़ रुपये के राजस्व की उम्मीद

रियल एस्टेट कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज ने दक्षिण बेंगलुरु में एक टाउनशिप विकसित करने के लिए 30 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया है। इस टाउनशिप का अनुमानित राजस्व लगभग 3,500 करोड़ रुपये है। कंपनी ने 1,100 करोड़ रुपये के अनुमानित राजस्व के साथ एक आवास परियोजना विकसित करने के लिए अक्टूबर में बेंगलुरु के सरजापुर में 26 एकड़ जमीन खरीदी थी। गोदरेज प्रॉपर्टीज ने बृहस्पतिवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि उसने 3.8 एकड़ अतिरिक्त भूमि का अधिग्रहण किया है। इससे 2,400 करोड़ रुपये का अतिरिक्त राजस्व और 20 लाख वर्ग फुट अतिरिक्त विकास क्षमता प्राप्त होगी। इस अधिग्रहण के साथ 30 एकड़ के टाउनशिप का कुल सकल विकास मूल्य 3,500 करोड़ रुपये होगा। कुल विकास क्षमता 30 लाख वर्ग फुट क्षेत्र है। गोदरेज प्रॉपर्टीज के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) गौरव पांडे ने कहा कि यह विस्तार कंपनी को उसके टिकाऊ, एकीकृत जीवन के दृष्टिकोण के अनुरूप एक स्थान विकसित करने का अवसर देता है....। गोदरेज प्रॉपर्टीज देश के अग्रणी रियल एस्टेट डेवलपर में से एक है।

ईडी का अनिल अंबानी पर शिकंजा! करोड़ों की संपत्ति जब्त, मुश्किलों में फंसा रिलायंस समूह

रिलायंस समूह के चेयरमैन अनिल अंबानी के लिए ये वक्त काफी मुश्किलों भरा है। रोजाना किसी न किसी तरह की मुसीबत उनको घेरे हुए है। पिछले दिनों पूछताछ का लंबा सिलसिला चलता रहा और अब ईडी की रेड। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रिलायंस समूह के चेयरमैन अनिल अंबानी और उनकी कंपनियों से संबंधित धन शोधन की जांच के तहत करोड़ों रुपये की संपत्तियां कुर्क की हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रिलायंस समूह के चेयरमैन अनिल अंबानी और उनकी कंपनियों से संबंधित धन शोधन की जांच के तहत 1,400 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्तियां कुर्क की हैं। अधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। संघीय जांच एजेंसी ने पहले इस मामले में 7,500

करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की थी। सूत्रों ने बताया कि देश के विभिन्न भागों में स्थित संपत्तियों के लिए धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत अनंतिम कुर्की का यह नया आदेश जारी किया गया है। इस मामले में अभी रिलायंस समूह से प्रतिक्रिया नहीं मिली है। सूत्रों ने बताया कि नवीनतम आदेश के तहत 1,400 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति कुर्क की गई है। इस मामले में कुर्क की गयी कुल संपत्ति की कीमत लगभग 9,000 करोड़ रुपये है। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट में एक पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशन (च्प्स्) फाइल की गई है, जिसमें अनिल अंबानी की रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड और उसके सब्सिडियरी ग्रुप्स से जुड़े कथित बड़े बैंक फ्रॉड की कोर्ट की निगरानी में जांच की मांग की गई है। पिटीशन में उठाए गए ग्राउंड्स पर विचार करने के बाद, चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (ब्श्रप्) बीआर गवई की लीडरशिप वाली बेंच ने मंगलवार को केंद्र सरकार, सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (ब्ठप्) और एनफोर्समेंट डायरेक्टरेट (म्क्) को नोटिस जारी कर पिटीशन पर उनके जवाब मांगे हैं। पूर्व यूनियन सेक्रेटरी ईएएस सरमा की फाइल की गई पिटीशन में कहा गया है कि अनिल अंबानी की त्ब्व्ड द्वारा किए गए कथित फ्रॉड की सेंट्रल एजेंसियों, म्क् और ब्ठप् द्वारा की जा रही जांच के अलावा एक इंडिपेंडेंट और ट्रांसपेरेंट जांच की जरूरत है। पिटीशनर की ओर से जाने-माने एडवोकेट प्रशांत भूषण पेश हुए।

रुपया शुरुआती कारोबार में 18 पैसे टूटकर 88.66 प्रति डॉलर पर

रुपया बृहस्पतिवार को शुरुआती कारोबार में 18 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 88.66 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व के दिसंबर में रेपो दर में कटौती न करने का संकेत देने के बाद डॉलर में तेजी आई है और यह 100 के स्तर के पार पहुंच गया। इससे घरेलू मुद्रा पर दबाव बढ़ा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 88.63 प्रति डॉलर पर खुला। फिर लुढ़कर डॉलर के

मुकाबले 88.66 पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 18 पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 88.48 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.03 प्रतिशत की बढ़त के साथ 100.25 पर आ गया। घरेलू शेयर बाजारों में सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 284.49 अंक चढ़कर 85,470.96 अंक पर और निफ्टी 83.35 अंक की बढ़त के साथ 26,136 अंक पर पहुंच गया। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.28 प्रतिशत की बढ़त के साथ 63.69 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) बुधवार को लिवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 1,580.72 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

संक्षिप्त

ट्रंप ने कहा न्यूयॉर्क शहर के नवनिर्वाचित मेयर ममदानी शुक्रवार को उनसे मिलेंगे

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि न्यूयॉर्क शहर के निर्वाचित महापौर जोहरान ममदानी शुक्रवार को व्हाइट हाउस में उनसे मुलाकात करेंगे। ट्रंप ममदानी की नीतियों की आलोचना करते रहे हैं और चार नवंबर के चुनाव से ठीक पहले उन्होंने चेतावनी दी थी कि ममदानी की जीत न्यूयॉर्क शहर के लिए "पूरी तरह से आर्थिक और सामाजिक आपदा" साबित होगी। ट्रंप ने बुधवार को सोशल मीडिया मंच

'ट्रूथ' पर एक पोस्ट में कहा, "न्यूयॉर्क शहर के महापौर जोहरान 'क्वामे' ममदानी ने मुलाकात का अनुरोध किया है। हमने सहमति जताई है कि यह बैठक शुक्रवार, 21 नवंबर को ओवल ऑफिस में होगी। आगे की जानकारी जल्द दी जाएगी!" ममदानी ने ट्रंप को चुनौती देते हुये अपनी जीत के बाद भाषण में कहा था कि न्यूयॉर्क की ताकत प्रवासी होंगे और उनकी ऐतिहासिक जीत के बाद शहर "एक प्रवासी के नेतृत्व में" आगे बढ़ेगा। ट्रंप ने राष्ट्रपति के रूप में अपने दूसरे कार्यकाल में आव्रजन से संबंधित मामलों में सख्त कार्रवाई शुरू की है। भारतीय मूल के ममदानी मशहूर फिल्म निर्माता मीरा नायर और कोलंबिया यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर महमूद ममदानी के बेटे हैं। उनका जन्म और पालन-पोषण युगांडा के कंपाला में हुआ और सात वर्ष की आयु में वह अपने परिवार के साथ न्यूयॉर्क आ गए थे। ममदानी 2018 में अमेरिका के नागरिक बने हैं।

इंडोनेशिया में आए भूस्खलन में मृतकों की संख्या बढ़कर 23 हुई

इंडोनेशिया के मुख्य द्वीप जावा के दो क्षेत्रों में आए भूस्खलन के बाद मलबे में दबे लोगों की तलाश के दौरान और शव मिलने से मृतकों की संख्या बढ़कर 23 हो गई है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी के प्रवक्ता अब्दुल मुहारी ने बताया कि सेंट्रल जावा प्रांत के चिलाकप जिले में बचावकर्मियों ने लगभग दो दर्जन खुदाई मशीनों की मदद से मलबे को हटाकर बुधवार को चार शव बरामद किए। पिछले सप्ताह भारी बारिश के कारण तीन गांवों में हुए भूस्खलन में कई मकान चपेट में आए थे। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि भूस्खलन के लिहाज से संवेदनशील क्षेत्र से 296 मकानों को अगले छह महीनों में स्थानांतरित किया जाएगा और नयी जगह मिलने तक प्रत्येक परिवार को प्रतिमाह 36 अमेरिकी डॉलर का मुआवजा दिया जाएगा। बचावकर्मियों ने बुधवार को सेंट्रल जावा के एक अन्य हिस्से में हुए भूस्खलन के स्थान से भी एक शव निकाला, जिससे वहां मृतकों की संख्या तीन हो गई। इंडोनेशिया में मौसमी बारिश के कारण अक्सर भूस्खलन और बाढ़ आती रहती है।

ट्रंप ने वित्त मंत्री बेसेंट से फेडरल रिजर्व प्रमुख की जिम्मेदारी संभालने का आग्रह किया

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दो दिन में दूसरी बार बुधवार को कहा कि वह देश के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट को 'फेडरल रिजर्व' के चेयरमैन के तौर पर नियुक्त करना चाहते हैं। ट्रंप ने अमेरिका-सऊदी अरब निवेश मंच पर अपने संबोधन के दौरान यह भी कहा कि बेसेंट यह पद नहीं संभालना चाहते। ट्रंप ने कहा, "हम फेडरल रिजर्व के लिए उनके नाम पर विचार कर रहे हैं लेकिन वह यह जिम्मेदारी नहीं लेना चाहते। वह वित्त मंत्री ही बने रहना चाहते हैं।" ट्रंप ब्याज दरों में जल्दी कटौती नहीं करने पर फेडरल रिजर्व के मौजूदा चेयरमैन जेरोम पॉवेल के कड़े आलोचक रहे हैं। यह लगभग तय है कि ट्रंप फेडरल रिजर्व के चेयरमैन पद के लिए जिसका भी चयन करेंगे वह ब्याज दरों में तेजी से कटौती पर जोर देगा और फेडरल रिजर्व के काम करने के तरीके में संभवतः बड़े बदलाव लाएगा। बेसेंट ने 2008–2009 की मंदी और महामारी के दौरान वित्तीय बाजार और अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के फेडरल रिजर्व के प्रयासों की इस साल की शुरुआत में कड़ी आलोचना की थी। बेसेंट भले ही फेडरल रिजर्व के चेयरमैन नहीं बनना चाहते लेकिन इसके बावजूद उन्हें इस पद के प्रमुख दावेदार के तौर पर देखा जा रहा है। बेसेंट ने इस पद के लिए फेडरल रिजर्व के मौजूदा अधिकारियों क्रिस्टोफर वॉलर एवं मिशेल बोमन, अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक कार्यालय 'व्हाइट हाउस' में आर्थिक अधिकारी केविन हैसेट, फेडरल रिजर्व के पूर्व गवर्नर केविन वार्श और संपत्ति प्रबंधक प्रतिष्ठान 'ब्लैकरॉक' के वरिष्ठ प्रबंध निदेशक रिक रीडर के नाम सुझाए हैं।

नेपाल में दोबारा भड़क उठा जेन-जी आंदोलन

नेपाल में बुधवार को जेन-जी और पूर्व पीएम केपी शर्मा ओली की पार्टी सीपीएन-यूएमएल समर्थकों के बीच झड़प हो गई। सीपीएन-यूएमएल महासचिव शंकर पोखरेल और महेश बस्नेत रैली के लिए सिमरा आने वाले थे, जिसके विरोध में बड़ी संख्या में जेन-जी एयरपोर्ट पर जुट गए और नारेबाजी शुरू कर दी। प्रशासन ने एयरपोर्ट के 500 मीटर में कर्फ्यू लगा दिया। झड़प के कारण सिमरा की सभी उड़ानें दिनभर के लिए रद्द कर दी। देश के बारा ज़िले में, जहाँ जेन जेड के सदस्यों और अपदस्थ पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी – एकीकृत मार्क्सवादी लेनिनवादी (सीपीएन-यूएमएल) के समर्थकों के साथ झड़प हुई थी, वहाँ लोगों के इक्ट्ठा होने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

रूस-यूक्रेन युद्ध का जल्द होगा THE END, ट्रंप ने शांति योजना को दे दी हरी झंडी

क्या रूस-यूक्रेन युद्ध का अब समापन होने वाला है? यह सवाल इसलिए उठा है क्योंकि अंतरराष्ट्रीय राजनीति के जटिल परिदृश्य में एक दिलचस्प और संभावित रूप से निर्णायक घटनाक्रम सामने आया है। हम आपको बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चुपचाप रूसदृयूक्रेन संघर्ष को समाप्त करने के लिए एक बहु-प्रतीक्षित शांति योजना को हरी झंडी दे दी है। यह कदम न केवल युद्ध के गतिरोध को तोड़ने की दिशा में अहम माना जा रहा है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि अमेरिका की विदेश नीति अब युद्ध को जारी रखने की बजाय किसी व्यावहारिक समाधान की ओर झुकाव दिखा रही है। हालाँकि इस योजना के बारे में विस्तार से बहुत कम जानकारी सार्वजनिक की गई है, लेकिन अमेरिकी मीडिया रिपोर्टों से इतना स्पष्ट है कि व्हाइट हाउस में पिछले कई सप्ताह से एक 28-सूत्रीय शांति प्रारूप पर काम चल रहा था। एनबीसी न्यूज़ की रिपोर्ट में एक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी के हवाले से बताया गया कि यह योजना रूसी दूत किरिल दिमित्रिएव और यूक्रेनी अधिकारियों के साथ शांत, सीमित और संवेदनशील कूटनीतिक वार्ताओं के माध्यम से तैयार की गई है। इसे अमेरिकी मध्य-पूर्व नीति में उपयोग किए गए ट्रंप के 20-सूत्रीय ग़ाज़ा शांति प्रस्ताव से प्रेरणा मिली है, इस बात की पुष्टि पहली बार ऐक्सिओस ने की थी। दिलचस्प बात यह है कि अमेरिकी अधिकारी अभी इस योजना के बिंदुओं को सार्वजनिक करने से बच रहे हैं। उनका कहना है कि शांति प्रस्ताव का मसौदा अभी भी वार्ता के दौरान बदल सकता है और इसे औपचारिक रूप से अभी तक यूक्रेन के शीर्ष नेतृत्व के सामने भी नहीं रखा गया है। तीन अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से यह भी बताया गया कि मसौदा जिस समय पूरा हुआ, उसी समय एक महत्वपूर्ण अमेरिकी सैन्य प्रतिनिधिमंडल भी कीव पहुँचा, जिससे यह संकेत मिलता है कि सैन्य रणनीति और शांति प्रक्रिया को समानांतर रूप से आगे बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। यह अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल दो प्रमुख उद्देश्यों के साथ कीव पहुँचाक़ पहला, यूक्रेन की सैन्य रणनीति और तकनीकी जरूरतों पर चर्चा करना और दूसरा, लंबे समय से ठहरी हुई शांति प्रक्रिया को फिर से गति देना। यह एक संकेत है कि वाशिंगटन यह समझ चुका है कि यूक्रेन के लिए अब केवल सैन्य सहायता ही समाधान नहीं, बल्कि एक राजनीतिक निकास की राह भी जरूरी है। देखा जाये तो फरवरी 2022 में रूस द्वारा यूक्रेन पर किए गए आक्रमण ने यूरोप में द्वितीय विश्व युद्ध के बाद सबसे बड़ा सैन्य संकट पैदा कर दिया। पूर्वी और दक्षिणी यूक्रेन के मोर्चों पर लगातार लड़ाई, ड्रोन हमले, मिसाइल प्रहार और बुनियादी ढांचे की तबाही ने इस संघर्ष को एक अनिश्चित और अंतहीन युद्ध का रूप दे दिया है। यूक्रेन को पश्चिमी देशोंक़ विशेषकर अमेरिका और यूरोपीय संघ से निरंतर सैन्य, वित्तीय और राजनीतिक सहायता मिलती रही है। इस समर्थन के चलते यूक्रेन ने कई इलाकों में अपना बचाव मज़बूत किया है, लेकिन रूस द्वारा कब्जाए गए क्षेत्रों में उसकी पकड़ अभी भी कमजोर बनी हुई है। वहीं रूस अपनी सैन्य और कूटनीतिक रणनीतियों के जरिए कब्जाए गए इलाकों को स्थायी नियंत्रण में बदलने की कोशिश में है। ऊर्जा संरचनाओं पर हमले और यूक्रेन के भीतर दबाव बढ़ाकर रूस एक तरह से इस संघर्ष को यूक्रेन की थकान और पश्चिम की अक्षमता के परीक्षण में बदल चुका है। परिणामस्वरूप, दोनों पक्ष ऐसे मुकाम पर पहुँच गए हैं जहाँ युद्ध का जारी रहना भारी जान-माल की क्षति और मानवीय संकट को ही बढ़ा रहा है, लेकिन किसी निर्णायक जीत की संभावना कहीं नज़र नहीं आती। लाखों लोग अपने घरों से विस्थापित हो चुके हैं, हजारों नागरिक और सैनिक मारे जा चुके हैं और यूरोप की सुरक्षा संरचना एक स्थायी खतरे में है। यही वह परिदृश्य है जिसमें ट्रंप प्रशासन एक मध्यस्थ के तौर पर अपनी भूमिका स्थापित करना चाहता है। दूसरी ओर, अपनी राजनीतिक शैली, साहसी निर्णयों और कूटनीतिक अप्रत्याशितता के लिए जाने जाने वाले ट्रंप की यह 'शांत' शांति पहल दर्शाती है कि अमेरिका अब लंबे खिंचते युद्ध से बाहर निकलने का रास्ता तलाश रहा है। यदि यह योजना सफल होती है, तो यह न केवल रूसदृयूक्रेन संबंधों में नया अध्याय खोलेगी, बल्कि वैश्विक कूटनीति में अमेरिकी प्रभाव को भी पुनर्स्थापित करेगी। लेकिन इसके साथ ही कई सवाल भी उठ रहे हैं। जैसे- क्या यूक्रेन अपनी शर्तों को सुरक्षित रखते हुए किसी समझौते के लिए तैयार होगा? क्या रूस कोई वास्तविक रियायत देने को तैयार है? क्या यूरोपीय देश इस अमेरिकी प्रस्ताव को समर्थन देंगे?और सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह है कि क्या यह योजना युद्ध के मूल कारणों को हल कर पाएगी, या केवल एक 'फ्रीज़ड कॉन्फ्लिक्ट' यानी स्थगित संघर्ष बनकर रह जाएगी? इन प्रश्नों के उत्तर आने वाले महीनों में तय होंगे, लेकिन इतना स्पष्ट है कि यह पहल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक नई शांति की संभावना पैदा कर रही है। युद्ध की थकान, आर्थिक बोझ और मानवीय त्रासदी, इन सभी ने दुनिया को यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि इस संघर्ष का अंत केवल हथियारों से संभव नहीं। बहरहाल, रूसदृयूक्रेन युद्ध अब एक ऐसे मोड़ पर पहुँच चुका है जहाँ किसी भी प्रकार की रचनात्मक, साहसी और ईमानदार शांति पहल का स्वागत होना चाहिए। यदि ट्रंप की यह योजना इस भयंकर संघर्ष को विराम देने में सफल होती है, तो यह न केवल यूरोप बल्कि पूरी दुनिया के लिए राहत की सांस होगी। हालाँकि, वास्तविक शांति का रास्ता लंबा, कठिन और राजनीतिक जोखिमों से भरा है। किंतु यही वह क्षण है जब कूटनीति अपनी वास्तविक परीक्षा देती है और दुनिया आशा कर रही है कि इस बार कूटनीति हथियारों से आगे साबित होगी।

दिल्ली ट्रेड फेयर का हुआ भव्य आगाज, तभी अचानक से पहुंच गए तालिबान के मंत्री

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के प्रगति मैदान (भारत मंडपम) में चल रहे 44वें इंटरनेशनल ट्रेड फेयर में 19 नवंबरसे आमजन की एंट्री शुरू हो गई है। ऐसे में अब यहां रोजाना दर्शकों की अच्छी-खासी भीड़ देखने को मिल रही है। 27 नवंबर तक चलने वाले इस मेले में इस बार 12 देश और 30 राज्य एवं केंद्र शासित प्रदेश शिरकत कर रहे हैं। करीब एक दशक बाद रक्षा मंडप भी देखने को मिलेगा जहां आधुनिक हथियार ही नहीं, बल्कि प्रशिक्षित डाग स्कवायड के करतब भी देखे जा सकेंगे। तालिबान के वाणिज्य मंत्री नूरुद्दीन अजीज का भारत दौरा खूब चर्चा में। वह पांच दिनों के लिए भारत आई और इस दौरान उनका मुख्य फोकस भारत अफगानिस्तान के व्यापारिक

रिश्तों को मजबूत करना है। अपने दौरे की शुरुआत में ही अजी सीधे इंडिया इंटरनेशनल ट्रेड फेयर पहुंचे। इंटरनेशनल ट्रेड फेयर में पहुंचकर उन्होंने कई स्टॉल्स भी देखे। उन्होंने वहां भारत में मौजूद अफगान कारोबारियों से बाजार की संभावनाओं पर बातचीत भी की। भारत के ट्रेड फेयर में किसी तालिबानी मंत्री का यह पहला दौरा है। क्योंकि 2021 के बाद से अफगानिस्तान से कोई बड़ा प्रतिनिधि इसमें शामिल नहीं हुआ था। बॉर्डर पर झड़प के बाद पाकिस्तान ने कई बार अपनी सीमाएं बंद कर दी जिससे अफगानिस्तान के फलों और अन्य निर्यात को भारी नुकसान हो रहा है और पाकिस्तान पर निर्भरता कम करने के लिए ही अफगानिस्तान अब भारत के साथ व्यापार बढ़ाने पर जोर दे रहा है और यही वजह है कि अजी का भारत आना और एक बड़े ट्रेड फेयर में शामिल होना पाकिस्तान के लिए एक बड़ा झटका होगा। इससे साफ संकेत मिलता है कि अफगानिस्तान अब नए विकल्प खोज रहा है और भारत उसकी मदद के लिए आगे खड़ा है। अफगानिस्तान के मंत्रियों का भारत दौरा यह दिखाता है कि दोनों देशों के संबंध मजबूत हो रहे हैं। भारत के ट्रेड फेयर में तालिबान के वाणिज्य मंत्री की मौजूदगी ना केवल दोनों देशों के बढ़ते आर्थिक रिश्तों का संकेत है बल्कि यह पाकिस्तान को यह संदेश भी देता है कि अफगानिस्तान अब व्यापार के लिए सिर्फ पाकिस्तान पर निर्भर नहीं है और अब वो उसकी निर्भरता से बाहर निकलकर वैकल्पिक साझेदारों की ओर बढ़ रहा है।

पाकिस्तान में इमरान खान की बहनों से मारपीट, जेल के बाहर से घसीटा

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री की बहनों के साथ रावलपिंडी की अदियाला जेल के बाहर पुलिस द्वारा दुर्व्यवहार किए जाने का आरोप लगा है। इमरान खान की पार्टी पीटीआई ने दावा किया कि अलीमा खान, नोरीन नियाजी और डॉ. उज़मा खान मंगलवार देर रात खान से मिलने पहुंची थीं, लेकिन उन्हें मिलने नहीं दिया गया और पुलिस ने उन्हें हिंसक तरीके से हिरासत में ले लिया। पीटीआई ने बताया कि तीनों बहनें जेल के बाहर शांति से बैठी थीं, तभी महिला पुलिसकर्मियों ने उनके साथ धक्का-मुक्की, बाल खींचने और जमीन पर गिराने जैसी हरकतें कीं। नोरीन ने कहा

कि उन्हें समझ नहीं आया कि अचानक क्या हुआ, जबकि अलीमा का आरोप है कि पुलिस उन्हें सड़क पर घसीट रही थी। पार्टी के अनुसार, मुलाकात का कोर्ट द्वारा तय हक अब इमरान खान के परिवार और समर्थकों के खिलाफ हिंसा और उत्पीड़न का जरिया बन गया है। उन्होंने कहा कि परिवार अपने भाई के लिए जेल के बाहर खड़ा रहेगा और याद दिलाया कि 4 अगस्त, 2023 को इमरान को देश छोड़ने के लिए कहा गया था, लेकिन उन्होंने जवाब दिया मैं अपना देश नहीं छोड़ूँगा। उन्होंने कहा कि इमरान ने बिना कोई व्यक्तिगत माँग किए 500 दिनों तक चले मुकदमे का सामना किया। पीटीआई के केंद्रीय सूचना सचिव शेख वकास अकरम ने इमरान की बहनों के खिलाफ इस्तेमाल की गई दबाव और मनमानी रणनीति की निंदा की। उन्होंने कहा कि इस तरह की कार्रवाइयों से पार्टी का संकल्प कमज़ोर नहीं होगा और पीटीआई वास्तविक स्वतंत्रता, सच्चे लोकतंत्र, संवैधानिक सर्वोच्चता और न्यायिक स्वतंत्रता के लिए प्रयास करती रहेगी। नोरीन ने संकल्प लिया कि ट्राइ 9 मई और 26 नवंबर की त्रासदियों को कभी नहीं भूलेगा। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने निर्दोष लोगों की ज़िंदगी से खिलवाड़ किया है, उन्हें कभी शांति नहीं मिलेगी और सोशल मीडिया पर भारी दबाव के बावजूद सच्चाई उजागर करने वालों का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने आगे कहा कि उत्पीड़न के हर कृत्य का हिसाब लिया जाएगा। अपना अनुभव बताते हुए, नोरीन ने कहा कि मुझे अभी भी नहीं पता कि जिस महिला ने मुझे पकड़ा था, उसे वे कहाँ ले गए। उसने मेरे बाल खींचे, मुझे ज़मीन पर पटक दिया और मुझे घसीटकर सड़क पार ले गई। उन्होंने कहा कि उनका बेटा हसन नियाज़ी अभी भी जेल में है, लेकिन ष्जेल के बाहर का उत्पीड़न और भी भयावह है। उज़्मा ने इमरान के स्वास्थ्य को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें दो हफ़्तों से एकांत कारावास में रखा गया है। उन्होंने कहा, ष्हमने बस उनकी कुशलक्षेम सुनिश्चित करने के लिए उनसे मिलने की अनुमति मांगी थी। उन्होंने आगे कहा कि इमरान ने देश को तैयार रहने को कहा है क्योंकि आज़ादी या मौत में से एक चुनने का समय आ गया है। अगर वे हमें पीटना चाहते हैं, तो मारने दीजिए। अगर वे हमें जेल में डालना चाहते हैं, तो डालने दीजिए। हम डरते नहीं हैं। एमडब्ल्यूएम अध्यक्ष अब्बास ने महिलाओं के साथ हुए इस व्यवहार को अक्षम्य राष्ट्रीय अपमान करार देते हुए कहा कि उनके साथ दुर्व्यवहार और हिजाब छीनना सांस्कृतिक, नैतिक और कानूनी मानदंडों का उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि पीटीआई संस्थापक ने कौन सा अपराध किया है? उनका एकमात्र ष्अपराधष् सच बोलना और लोगों के साथ निडरता से खड़ा होना है।

अब सामने आएंगे सब के डर्टी सीक्रेट! ट्रंप ने किया साइन, 30 दिन में जेफरी एपस्टीन की हर फाइल खुलेगी

अमेरिकी कांग्रेस ने भारी बहुमत से वोट देकर यौन अपराधी जेफरी एस्टीन से जुड़ी सभी फ़ाइलें जारी सार्वजनिक करने का

आदेश दिया है। पीड़ितों ने रेकॉर्ड पब्लिक करने की मांग की थी। अमेरिका के हाउस ऑफ़ रिप्रेज़ेंटेटिव्स ने फाइलें जारी करने के पक्ष में 427–1 से मतदान किया और सीनेट ने बिना किसी औपचारिक मतदान के सर्वसम्मति से इसे पारित कर दिया। अब यह बिल राष्ट्रपति ट्रंप के हस्ताक्षर के लिए भेजा जाएगा। इस विधेयक को कांग्रेस का मज़बूत समर्थन एपस्टीन से जुड़े संचार पर नए सिरे से ध्यान आकर्षित करने के बाद मिला है, जो हाल के दिनों में फिर से सामने आया है। इस विधेयक के खिलाफ मतदान करने वाले एकमात्र सांसद, प्रतिनिधि क्ले हिगिंस ने चेतावनी दी कि दस्तावेज़ों को जारी करने से निश्चित रूप से निर्दोष लोगों को नुकसान होगा। पूर्व मंत्री ने एपस्टीन मेल लीक होने के बाद इस्तीफा दिया

अमेरिका के पूर्व वित्तमंत्री लैरी समर्स ने ओपनएआई के निदेशक मंडल से इस्तीफा देने का फैसला किया है। चौटजीपीटी के निर्माताओं ने यह जानकारी दी। समर्स का बोर्ड से इस्तीफा ऐसे ईमेल के लीक होने के बाद हुआ है। बोर्ड ने एक बयान में कहा, लैरी ने निदेशक मंडल से इस्तीफा देने का फैसला किया है। ट्रंप ने पहले रिपब्लिकन से इस रिलीज़ का समर्थन करने का आग्रह करते हुए कहा था अब आगे बढ़ने का समय आ गया है। उनका यह पोस्ट मार्क और जेफरी एपस्टीन से जुड़े एक ईमेल श्रृंखला के फिर से सामने आने के कुछ ही समय बाद आया है जिसमें डोनाल्ड ट्रंप का ज़िक्र था। 2018 में स्टीव बैनन को लिखे एक संदेश में, मार्क ने अनुमान लगाया था कि क्या रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के पास ट्रंप द्वारा बुब्बा उड़ाते हुए कोई तस्वीर है। ईमेल का आदान-प्रदान एक नियमित बातचीत के रूप में शुरू हुआ था, जिसमें जेफरी ने उल्लेख किया कि वह बैनन के साथ थे, जो उस समय ट्रम्प के पहले प्रशासन में मुख्य रणनीतिकार के रूप में कार्यरत थे। एपस्टीन फाइलें स्वयं जेफरी एपस्टीन, गिस्लेन मैक्सवेल और संबंधित व्यक्तियों से जुड़े संघीय मामलों के दौरान एकत्र किए गए व्यापक रिकॉर्ड हैं।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पलीटर बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।